twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 272, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पीएम ने नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म पर उच्चस्तरीय बैठक की

जीवन और व्यापार को सुगम बनाने को बढ़ावा देने पर विचार किया गया

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अगली पीढ़ी के सुधारों (नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म) के रोडमैप पर विचार-विमर्श के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में तेज और व्यापक सुधारों के माध्यम से जीवन को सरल बनाने और व्यापार को सुगम बनाने को बढ़ावा देने पर विचार किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के बाद एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, अगली पीढ़ी के सुधारों की रूपरेखा पर बैठक की अध्यक्षता की। हम सभी क्षेत्रों में तेजी से सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो लोगों के जीवन को आसान बनाएंगे, व्यापार को सरल बनाएंगे और देश की समृद्धि को बढ़ावा देंगे। बैठक में प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने, निवेश को प्रोत्साहन देने, बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने और सामाजिक-आर्थिक समावेशन को सुनिश्चित करने जैसे अहम विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को निर्देश दिया कि सुधारों को समयबद्ध ढंग से लागू किया जाए, ताकि आम नागरिक और उद्यम दोनों स्तरों पर इसका सीधा लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार बीते कुछ वर्षों से 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के सिद्धांत के तहत सुधारों की दिशा में लगातार कार्य कर रही है, जिसका उद्देश्य शासन प्रणाली को अधिक उत्तरदायी, जनकेन्द्रित और प्रभावी बनाना है।

प्रधानमंत्री की इस पहल को आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भूमिका को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सिंधु जल संधि पंडित नेहरू की सबसे बड़ी भूल: नड्डा

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सिंधु जल संधि-1960 को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी भूल करार दिया है।

नड्डा ने सोमवार को एक्स पोस्ट में कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि, पंडित नेहरू की सबसे बड़ी भूलों में से एक थी, जिसमें राष्ट्रीय हितों को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की बलि चढ़ा दिया गया था। देश को यह जानना चाहिए कि जब पंडित नेहरू ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, सिंधु बेसिन का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को सौंप दिया था। यह एक ऐसा फैसला था जिसने भारत की जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों को हमेशा के लिए खतरे में डाल दिया था। सबसे भयावह पहलू यह था कि उन्होंने यह काम भारतीय संसद से परामर्श किए बिना किया था। इस संधि पर सितंबर 1960 में हस्ताक्षर किए गए थे।

देश का सम्मान बढ़ता है तो कांग्रेस को होती है तकलीफ: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। शिवराज सिंह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब भी देश का सम्मान बढ़ता है तो कांग्रेस के पेट में तकलीफ होती है। उन्होंने कहा कि कुछ चीजों को राजनीतिक मतभेदों के ऊपर उठकर देखना चाहिए। शिवराज सिंह ने सोमवार को जारी एक वीडियो में कहा कि जब-जब देश में गौरव के पल आए, देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा ही आंसू बहाए। हमारा चंद्रयान दक्षिणी ध्रुव पर उतर गया, देश उल्लास से भरा था, लेकिन कांग्रेस सवाल उठा रही थी। हमारी सेना ने शौर्य, पराक्रम का प्रदर्शन किया, सर्जिकल स्ट्राइक की, तब भी कांग्रेस, सवाल ही उठा रही थी। एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, जब हमारी सेना दुश्मन को मिट्टी में मिलाती है, सारा देश खड़ा हो जाता है, लेकिन कांग्रेस उस पर सवाल उठाती है।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से की मुलाकात

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के पायलट और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की और इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। यह मुलाकात विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर एक समृद्ध चर्चा का अवसर बनी।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इस भेंट के दौरान दोनों के बीच अंतरिक्ष में अनुभवों, वैज्ञानिक प्रगति और भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन पर व्यापक चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए, शुभांशु शुक्ला के योगदान को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, शुभांशु शुक्ला के साथ शानदार बातचीत हुई। हमने अंतरिक्ष में उनके अनुभवों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति तथा भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन सहित कई विषयों पर चर्चा की। भारत को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर साझा की गई मुलाकात तस्वीरों में शुभांशु शुक्ला इसरो की अंतरिक्ष यात्री जैकेट पहने दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री को एक तस्वीर में शुक्ला के कंधे पर हाथ रखकर उनके साथ चलते हुए देखा जा सकता है।

शुक्ला ने इस मुलाकात में प्रधानमंत्री को एक्सिओम-4 मिशन पैच और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से ली गई पृथ्वी की तस्वीरें भेंट कीं। प्रधानमंत्री मोदी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर शुभांशु शुक्ला को बधाइयों का तांता लग गया। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला ने हाल ही में अंतरिक्ष में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक नई पहचान मिली है। उनकी यात्रा को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

भारत समुद्री सप्ताह 2025 की तैयारियों को लेकर मुंबई में समीक्षा बैठक

नई दिल्ली

देश में समुद्री गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अक्टूबर में आयोजित होने वाले भारत समुद्री सप्ताह 2025 की तैयारियों के तहत आज मुंबई में समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक नाविक (नील अर्थ विजन इम्प्लीमेंटेशन सेल) और विभास (विकास भारत संकल्प) सेल 4 और 20 के तहत आयोजित की गई। इसकी जानकारी पोत परिवहन, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्रालय ने अपने एक्स पोस्ट के माध्यम से दी। मंत्रालय के एक्स पोस्ट के मुताबिक, बैठक में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों तथा समुद्री क्षेत्र से जुड़े हितधारकों ने भाग लिया। इस दौरान भारत समुद्री सप्ताह 2025 की तैयारियों का आकलन किया गया और विभास व नाविक सेल के अंतर्गत विभिन्न मुद्दों की प्रगति की समीक्षा की गई।

समीक्षा के साथ ही वाटरवे टू वंडर: नाविक सेल 4 (टूरिज्म एंड फेरीज) के अंतर्गत क्रूज टूरिज्म अनलॉकिंग सम्मेलन भी आयोजित हुआ। इसमें पर्यटन और समुद्री क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों ने भाग लेकर संभावनाओं और नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया।

कार्यशाला ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 में होने वाली भागीदारी, प्रदर्शनी और सहयोग के अवसरों को रेखांकित किया तथा नेटवर्किंग सत्रों के माध्यम से आपसी सहभागिता को और मजबूत बनाने का अवसर प्रदान किया।

लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हुआ भारतीय पत्तन विधेयक

नई दिल्ली

राज्यसभा में सोमवार को भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुका है। विधेयक बंदरगाहों से संबंधित कानूनों को सुदृढ़ करने, एकीकृत बंदरगाह विकास को बढ़ावा देने, व्यापार को सुगम बनाने और भारत के समुद्र तट का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। विधेयक पारित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

संघ का कार्यकर्ता आदर्श और आचरण में एक जैसा : भागवत

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सोमवार को दिल्ली प्रांत के पूर्व संघचालक रमेश प्रकाश के जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि संघ का कार्यकर्ता आदर्श और आचरण में एक जैसा होता है। रमेश प्रकाश इसका उदाहरण थे।

सुरुचि प्रकाश की यह पुस्तक तन समर्पित, मन समर्पित दिल्ली प्रांत के पूर्व संघचालक रमेश प्रकाश के जीवन पर आधारित है। दिल्ली के

एनडीएमसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इंडिया टुडे की उपाध्यक्ष कली पुरी भी उपस्थित रहे। साथ ही स्वर्गीय रमेश प्रकाश की पत्नी आशा शर्मा भी इस दौरान मंच पर उपस्थित रहीं। सरसंघचालक ने विमोचन के बाद उपस्थितजन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान से लोगों के मन में परिवर्तन नहीं आता है। मन में परिवर्तन आदर्श आचरण प्रस्तुत करने से आता है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन 20 अगस्त को करेंगे नामांकन

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर सोमवार शाम को हुई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) घटक दलों के फ्लोर लीडर्स और संसदीय दल के नेताओं की बैठक में उपराष्ट्रपति चुनाव की नामांकन की तारीख और रणनीति पर चर्चा की गई। इस बैठक में फैसला लिया गया कि 20 अगस्त सुबह 11 बजे उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन किया जाएगा। एनडीए के फ्लोर नेताओं की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मीडिया

को बताया कि उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन है। मौजूदा समय में वे महाराष्ट्र के राज्यपाल भी हैं। आज वो यहां आए थे और सभी नेताओं को केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी जी के आवास पर बुलाया गया था। वहां एक बैठक हुई और सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि हम उनका समर्थन करेंगे। मांझी ने बताया कि उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार से सभी दलों के नेताओं के साथ परिचय करवाया गया। सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जिस पद के लिए उन्हें चुना जा रहा है, उसकी गरिमा से वो किसी भी तरह समझौता नहीं होने देंगे। कल सभी समर्थक सुबह नौ बजे लोक सभा लाइब्रेरी में एक साथ बैठेंगे और उसी दौरान नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर होंगे। नामांकन 20 तारीख को होगा।

ऐतिहासिक आक्रांताओं के नाम पर रखी गई सड़कों के नाम बदलने की आवश्यकता: दिनेश शर्मा

नई दिल्ली

राज्य सभा में सोमवार को शून्य काल के दौरान भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने ऐतिहासिक आक्रांताओं के नाम पर रखी गई सड़कों के नाम बदलने की आवश्यकता का मुद्दा उठाया। विपक्ष के शोर शराबे के बीच उन्होंने कहा कि देश में आज भी कई सड़कें, स्थान और संस्थान ऐसे विदेशी आक्रांताओं और अत्याचारियों के नाम पर हैं, जिन्होंने भारत पर हमले किए और यहां के लोगों पर अत्याचार किए। इन नामों को बनाए रखना न केवल उन अत्याचारियों को महिमा मंडित करता है, बल्कि हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को मिटाने का भी खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों के नाम उन भारतीय नायकों के बलिदान, योगदान और मूल्यों को प्रतिबिंबित करें, जिन्होंने हमारे गौरव की रक्षा की, न कि उन लोगों को जो हमारी गरिमा को रौंदते हुए हमारे देश को हानि पहुंचाने का प्रयास करते रहे। कुछ वर्ष पहले एक सकारात्मक उदाहरण हमारे सामने आया जब दिल्ली की औरंगजेब रोड का नाम बदलकर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड रखा गया, जो "जनता के राष्ट्रपति" के रूप में देश के हर नागरिक के लिए ज्ञान, विनम्रता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बने। महाराष्ट्र में औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर रखा गया, जो छत्रपति संभाजी महाराज के बलिदान को स्मरण कराता है,

रेलवे ट्रैक के बीच पहली बार सोलर पैनल की स्थापना

नई दिल्ली

वाराणसी स्थित बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू) ने भारतीय रेलवे में एक अनोखी पहल करते हुए यहां 70 मीटर लंबे सक्रिय रेलवे ट्रैक (लाइन संख्या 19) के बीच 15 किलोवाट क्षमता का रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम स्थापित किया गया है। यह देश का पहला ऐसा प्रयोग है जिसमें बिना रेल संचालन प्रभावित किए पैनल लगाए गए हैं। रेल मंत्रालय ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सोलर पैनल की

कुछ तस्वीरें साझा करते हुए पोस्ट किया कि भारतीय रेलवे ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। बनारस लोकोमोटिव वर्क्स ने रेलवे पटरियों के बीच भारत का पहला 70 मीटर लंबा रिमूवेबल सोलर पैनल सिस्टम (28 पैनल, 15 किलोवाट पावर) स्थापित किया है जो हरित और टिकाऊ रेल परिवहन की दिशा में एक कदम है। रेल अधिकारियों के अनुसार, पैनल विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं ताकि उन्हें आसानी से हटाया और लगाया जा सके। ट्रैक से आसानी से हटाने के लिए 4 एसएस एलन बोल्ट का उपयोग किया गया है। इससे न सिर्फ ट्रैक की देखभाल और मरम्मत में सुविधा होगी बल्कि पैनलों की सफाई और रखरखाव भी सरल रहेगा।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकती: गोयल

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि सरकार भारत को तेजी से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए परिवर्तन के अगले 100 दिनों के एजेंडे पर काम कर रही है। भारत दुनिया के सबसे लोकप्रिय उपभोक्ता बाजार और शीर्ष निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन आयोजित एक वैश्विक आर्थिक सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय देश की आर्थिक वृद्धि को और तेज करने के लिए बदलाव के अगले 100 दिवसीय एजेंडा पर काम कर रहा है।

चीन: कठिन दौर के बाद रिश्तों में स्पष्ट एवं रचनात्मक दृष्टिकोण अनिवार्य: जयशंकर

नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने सोमवार को दिल्ली यात्रा पर आए अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। वार्ता में उन्होंने सीमा से जुड़े विषयों को प्राथमिकता से सुलझाने, संघर्ष से बचने और सम्मान आधारित रिश्तों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हमारे संबंधों में एक कठिन दौर देखने के बाद, अब हमारे दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं। इसके लिए दोनों पक्षों की ओर से एक स्पष्ट और रचनात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। विदेश मंत्री ने विशेष प्रतिनिधियों की 24वें दौर की वार्ता के लिए चीनी विदेश मंत्री वांग यी के भारत आगमन का स्वागत किया। यह अक्टूबर

2024 में कजान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिंगपिंग की बैठक के बाद पहली मंत्रिस्तरीय यात्रा है। इस दौरान शुरूआती वक्तव्य में विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि संबंधों को पारस्परिक सम्मान, पारस्परिक संवेदनशीलता और पारस्परिक हित द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। साथ ही मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए तथा प्रतिस्पर्धा संघर्ष में नहीं बदलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनकी चर्चा में आर्थिक और व्यापारिक सहयोग, तीर्थयात्रा, लोगों के बीच आदान-प्रदान, नदी डेटा साझाकरण, कनेक्टिविटी और सीमा व्यापार जैसे विषय शामिल हैं। सीमा स्थिति को प्राथमिकता मानते हुए विदेश मंत्री ने तनाव कम करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। इस बात का उल्लेख किया कि कल चीनी विदेश मंत्री की विशेष प्रतिनिधि के तौर पर भारत के विशेष प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा होगी। वैश्विक सहयोग को जरूरी बताते हुए विदेश मंत्री ने भारत की ओर से एक निष्पक्ष, संतुलित और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, समकालीन बहुपक्षवाद, वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आतंकवाद के विरुद्ध मजबूत प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने चीन की अध्यक्षता में तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी और मजबूत तथा निर्णायक होने की अपेक्षा की।

शरद पवार बोले- 1978 में वसंतदादा सरकार गिराई, फिर भी 10 साल बाद सीएम पद के लिए मेरा नाम आगे बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि उन्होंने 1978 में वसंतदादा पाटिल के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को गिराने की पहल की थी। इसके बावजूद उन्होंने एक दशक बाद मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम आगे बढ़ाया। शरद पवार ने शनिवार को पुणे में एक कार्यक्रम में कहा कि उस समय कांग्रेस के पास इस तरह का उदार हृदय वाला नेतृत्व था।

शरद पवार ने 1999 में कांग्रेस से नाता तोड़ लिया था और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) बनाई। जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार के तत्कालीन शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में शामिल होने के बाद एनसीपी दोफाड़ हो गई।

पुरानी यादों में खोए शरद पवारः 84 साल के राज्यसभा सांसद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी रहे। उन्होंने याद किया कि आपातकाल के बाद यह भव्य पुरानी पार्टी कांग्रेस (इंदिरा) और स्वर्ण सिंह कांग्रेस में विभाजित हो गई। उस समय वह अपने गुरु यशवंतराव चव्हाण के साथ स्वर्ण सिंह कांग्रेस में ही रहे, लेकिन बाद में हुए चुनावों में किसी भी पक्ष को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला।

प्रमुख विरोधियों में से एक था, इसलिए सरकार गिराई

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आखिरकार हम एकजुट हुए और वसंतदादा को मुख्यमंत्री बनाया। हालांकि, हममें से कई युवा कार्यकर्ताओं में कांग्रेस (आई) के प्रति नाराजगी थी, क्योंकि हम चव्हाण साहब के साथ जुड़े हुए थे। इसलिए एक दूरी थी। दादा ने इसे पाटने की कोशिश की, लेकिन हमने इसका विरोध किया। उन्होंने याद करते हुए कहा, मैं प्रमुख विरोधियों में से एक था। इस वजह से हमने सरकार गिराने का फैसला किया और हमने ऐसा किया। मैं मुख्यमंत्री बना।

कांग्रेस में ऐसा ही उदार नेतृत्व था

शरद पवार ने कहा, मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं? क्योंकि 10 साल बाद हम सब फिर से एकजुट हो गए थे। उन्होंने आगे कहा कि जब अगले मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लेने के लिए बैठक बुलाई गई तो कई नामों पर चर्चा हुई - रामराव आदिक, शिवाजीराव निलंगेकर। पवार ने कहा, लेकिन दादा ने कहा कि अब और चर्चा नहीं। हमें पार्टी का पुनर्निर्माण करना है। शरद इसका नेतृत्व करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कल्पना कीजिए कि जिस नेता की सरकार मैंने गिराई, उसने सब कुछ दरकिनार कर दिया और विचारधारा के लिए एकता को चुना। कांग्रेस में ऐसा ही उदार नेतृत्व था।

धामी कैबिनेट का बड़ा फैसला, प्रदेश में होगा उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज राज्य सचिवालय में उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। बैठक में 19 अगस्त से भराड़ीसैंण विधानसभा में आयोजित मानसून सत्र में पेश होने वाले विधेयक व अध्यादेश के प्रस्ताव रखे गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश में उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। इसके लिए विधानसभा सत्र में उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान अधिनियम, 2025 विधेयक लाया जाएगा। अभी तक अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा केवल मुस्लिम समुदाय को मिलता था। प्रस्तावित विधेयक के अंतर्गत अब अन्य अल्पसंख्यक समुदायों जैसे - सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध एवं पारसी को भी यह सुविधा मिलेगी। यह देश का पहला ऐसा अधिनियम होगा जिसका उद्देश्य राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्थानों को मान्यता प्रदान करने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया स्थापित करना है। साथ ही शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है।

अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

1 - प्राधिकरण का गठन - राज्य में उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा, जो अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा प्रदान करेगा।

2 - अनिवार्य मान्यता - मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन या पारसी समुदाय द्वारा स्थापित किसी भी शैक्षिक संस्थान को अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा पाने के लिए प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

3 - संस्थागत अधिकारों की सुरक्षा - अधिनियम अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों की स्थापना एवं संचालन में हस्तक्षेप नहीं करेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि शिक्षा की गुणवत्ता और उत्कृष्टता बनी रहे।

4 - अनिवार्य शर्तें - मान्यता प्राप्त करने के लिए शैक्षिक संस्थान का सोसाइटी एक्ट, ट्रस्ट एक्ट या कंपनी एक्ट के अंतर्गत पंजीकरण होना आवश्यक है। भूमि, बैंक खाते एवं अन्य संपत्तियां संस्थान के नाम पर होनी चाहिए। वित्तीय गड़बड़ी, पारदर्शिता की कमी या धार्मिक एवं सामाजिक सद्भावना के विरुद्ध गतिविधियों की स्थिति में मान्यता वापस ली जा सकती है।

5 - निगरानी एवं परीक्षा - प्राधिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि शिक्षा उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार दी जाए और विद्यार्थियों का मूल्यांकन निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो।

बेंगलुरु में चार मंजिला इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में केआर मार्केट के पास नागरथपेटे में एक चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के चार सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। इमारत में अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।मौके पर पहुंचे दमकल कर्मी आग बुझाने और इमारत में फंसे लोगों को निकालने में जुटे हुए हैं। इस हादसे के मृतकों की पहचान मूल रूप से राजस्थान रहने वाले मदन (38), उनकी पत्नी संगीता (33), मितेश (8) और विहान (5) के रूप में हुई है। ये सभी एक ही परिवार के सदस्य थे, जबकि सुरेश, जो कि दूसरी मंजिल पर काम करते थे, उनकी भी इस त्रासदी में मौत हो गयी है। पुलिस के अनुसार इमारत के भूतल पर प्लास्टिक मैट के गोदाम में लगी आग तेज़ी से फैल गई। देखते ही देखते आग इमारत की तीसरी मंजिल तक पहुंच गयी और वहां रहने वाले राजस्थान निवासी मदन कुमार, उनकी पत्नी संगीता और बच्चे विहान व नितेश आग में फंस गए। आग में जलने की वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पहली मंजिल पर काम कर रहे मजदूर सुरेश की भी मौत हो गई है। बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने भी घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। उन्होंने अभी भी इमारत में कई लोगों के फंसे होने की आशंका व्यक्त की है।

दही हांडी उत्सव में अलग-अलग हादसों में दो की मौत, 200 से अधिक घायल

मुंबई। देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मथुरा और वृंदावन से लेकर देश के कोने-कोने में मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया, और रात 12 बजे श्रीकृष्ण की भव्य आरती के साथ उनका जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हालांकि, महाराष्ट्र में जन्माष्टमी पर हुए दही हांडी उत्सव के दौरान अलग-अलग हादसों में बड़ी दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक घायल हो गए। महाराष्ट्र के मानखुर्द एक व्यक्ति की दही हांडी बांधते हुए मौत हो गई, जिसकी पहचान जगमोहन शिवकिरण चौधरी के रूप में हुई है। वह दही हांडी बांधते समय पहली मंजिल से गिरकर अपनी जान गंवा बैठे। उन्हें तुरंत शताब्दी गोवंडी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया। बीएमसी और सरकारी अस्पतालों से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार रात 12:30 बजे तक 210 व्यक्तियों के घायल होने की सूचना मिली, जिनमें से 68 का इलाज चल रहा है और 142 को डिस्चार्ज कर दिया गया। सेंट्रल मुंबई के अस्पतालों में 91 घायल दर्ज किए गए, जिनमें से 60 का इलाज जारी है और 31 को छुट्टी दे दी गई। अस्पतालों से मिली जानकारी के अनुसार, घायल लोगों का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है। संभवत रविवार-सोमवार तक सभी गोविंदाओं को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

झारखंड के साहिबगंज में अवैध खनन पर कार्रवाई, दर्जनों मशीनें जब्त, माफियाओं में हड़कंप

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिला प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रशासन ने मंडरो अंचल के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत भुतहा मौजा में छापेमारी की। इस दौरान अवैध खदान से खनन में प्रयुक्त दर्जनों मशीनों को जप्त किया गया। टास्क फोर्स की टीम की इस कार्रवाई के बाद खनन माफियाओं के बीच हड़कंप मच गया है। साहिबगंज सदर एसडीओ अमर जॉन आईंद ने इस अभियान का नेतृत्व किया। खनन टास्क फोर्स की टीम के साथ अचानक की गई इस छापेमारी में देखा गया कि स्टार इंडिया खदान के पास बड़े पैमाने पर अवैध खनन चल रहा था। जैसे ही प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची, वहां खनन में लगी कई गाड़ियां फरार हो गईं। हालांकि, मौके पर मौजूद दर्जनों वाहन और मशीनें जब्त कर ली गईं। एसडीओ अमर जॉन आईंद ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि उन्हें लगातार सूचना मिल रही थी कि इस इलाके में अवैध खनन हो रहा है। सत्यापन के लिए छापेमारी की गई और मौके पर भारी मात्रा में अवैध खनन पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि जांच में जुटी टीम फरार खननकर्ताओं और वाहनों की पहचान करने में जुट गई है।

लोकतंत्र को मजबूत बनाती हैं शुद्ध मतदाता सूचियां : चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट जारी कर कहा कि शुद्ध मतदाता सूचियां लोकतंत्र को मजबूत बनाती हैं। मतदाता सूची तैयार करने के प्रत्येक चरण में राजनीतिक दलों की भागीदारी और मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों को त्रुटियों को सुधारने के लिए उचित समय और अवसर दिया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग ने कहा कि देश में संसद और विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव प्रणाली कानून द्वारा परिकल्पित एक बहुस्तरीय विकेंद्रीकृत संरचना है। चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (आईआरओ), जो एसडीएम स्तर के अधिकारी होते हैं, बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की सहायता से मतदाता सूची (आईआर) तैयार करते हैं और उसे अंतिम रूप देते हैं। ईआरओ और बीएलओ मतदाता सूची की शुद्धता की जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने कहा

कि मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद उसकी डिजिटल और फिजिकल कॉपियां सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाती हैं और सभी के देखने के लिए ईसीआई वेबसाइट पर डाल दी जाती हैं। मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद, अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए मतदाताओं और राजनीतिक दलों के पास पूरे एक महीने का समय उपलब्ध होता है। चुनाव आयोग ने कहा कि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद डिजिटल और फिजिकल कॉपियां फिर से सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की जाती हैं और ईसीआई वेबसाइट पर प्रकाशित की जाती हैं। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद अपील की दो-स्तरीय प्रक्रिया उपलब्ध होती है, जिसमें पहली अपील जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) के पास और दूसरी अपील प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के ईसीओ के पास की जा सकती है। कानून, नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार मतदाता सूची तैयार करने की पहचान अत्यधिक पारदर्शिता है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि कुछ राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने उचित समय पर मतदाता सूचियों की जांच नहीं की। उन्होंने एसडीएम, ईआरओएस, डीईओ या सीईओ को कोई त्रुटियां नहीं बताईं। हाल ही में, कुछ राजनीतिक दल और व्यक्ति पूर्व में तैयार की गई मतदाता सूचियों सहित मतदाता सूचियों में त्रुटियों के बारे में मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मतदाता सूचियों के साथ किसी भी मुद्दे को उठाने का उपयुक्त समय उस चरण के दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान होता, जो कि सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के साथ मतदाता सूचियों को साझा करने के पीछे का उद्देश्य है। अगर ये मुद्दे सही समय पर सही माध्यमों से उठाए गए होते तो इससे संबंधित एसडीएम या ईआरओ को उन चुनावों से पहले गलतियों को, यदि वास्तविक थीं, ठीक करने में सक्षम बनाया जा सकता था। ईसीआई राजनीतिक दलों और किसी भी मतदाता द्वारा मतदाता सूचियों की जांच का स्वागत करता है।

गुवाहाटी में असम-मेघालय के मुख्यमंत्रियों की बैठक, सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

गुवाहाटी । असम और मेघालय के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने गुवाहाटी में मुलाकात कर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज गुवाहाटी में मुख्यमंत्री कॉरनाड संगमा से उत्कृष्ट चर्चा हुई। हमने दोनों राज्यों के परस्पर विकास को सुदृढ़ करने से जुड़े कई मुद्दों पर विचार किया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन मुद्दों पर

विस्तार से बातचीत हुई। दोनों मुख्यमंत्रियों की इससे पहले 2 जून को मुलाकात हुई थी, जिसमें 12 विवादित क्षेत्रों में से 6 पर सहमति बनी थी। इनमें से 5 क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस तक सीमा स्तंभ (बॉर्डर पिलर) लगाने का निर्णय लिया गया था, जबकि पिलिंगाटा क्षेत्र में मतभेद बने रहने के कारण चर्चा जिला उपायुक्तों को सौंप दी गई थी।

असम और मेघालय ने मार्च 2022 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत 12 विवादित क्षेत्रों में से 6 का समाधान निकाला गया। पहले चरण में 36.79 वर्ग किमी क्षेत्र को लेकर समझौता हुआ, जिसमें असम को 18.51 वर्ग किमी और मेघालय को 18.28 वर्ग किमी भूमि का अधिकार मिला। गौरतलब है कि मेघालय का गठन वर्ष 1972 में असम से अलग राज्य के रूप में हुआ था। असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को मेघालय ने चुनौती दी थी, जिसके बाद 884.9 किमी लंबी सीमा के 12 क्षेत्रों में विवाद खड़ा हुआ। मुख्यमंत्री सरमा ने मई 2021 में पद संभालते ही घोषणा की थी कि पड़ोसी राज्यों के साथ सीमा विवाद का समाधान उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए अगस्त 2021 में तीन क्षेत्रीय समितियां बनाई गई, जिनकी सिफारिशों पर मार्च 2022 में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में दोनों राज्यों ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

'लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की', अखिलेश यादव बोले- अंतरात्मा की आवाज सुनें

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि चुनाव आयोग को सुधार ही नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है। एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ और वोट चोरी जैसे विपक्षी दलों के आरोपों के बीच अखिलेश यादव ने यह बयान दिया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान सपा सांसद अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व चुनाव आयोग के कंधों पर है। माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं, लेकिन वे ये न समझें कि वे अकेले हैं। जब चुनाव आयोग सही रास्ते पर चल निकलेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा। सत्य के मार्ग पर चलने वालों के साथ जनता और जन विश्वास स्वयं चलने लगता है।÷ सपा मुखिया ने आगे लिखा, ÷चुनाव आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। सबको अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए। इससे पहले, अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए थे। शनिवार को लखनऊ में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद अखिलेश यादव ने कहा, समय-समय पर उंगलियां उठी हैं। चाहे ग्राम प्रधान का चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो, लोकसभा चुनाव हो या कोई अन्य चुनाव हो, यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बनती है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हों। अखिलेश यादव ने कहा, लोगों का इस संस्था पर विश्वास बढ़ाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, लेकिन हम देख रहे हैं कि लोग चुनाव आयोग के काम करने के तरीके से असंतुष्ट हैं। हाल ही में, इंडिया गठबंधन ने वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाई है।

शिवपुरी- ट्रक और ट्रैवलर में आमने-सामने की भिंडत, गुजरात के चार लोगों की मौत

एजेंसी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के शिवपुरी- झांसी फोरलेन हाईवे पर सुबह ट्रक और ट्रैवलर की आमने-सामने की भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को शिवपुरी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा शिवपुरी-झांसी फोरलेन हाईवे जो नेशनल हाईवे-27 के नाम से जाना जाता है वहां पर अमोला घाटी के नजदीक हुआ है। इस हादसे में गुजरात के 20 लोगों का म्यूजिशियन ग्रुप काशी विश्वनाथ में आयोजित शिव कथा कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के बाद लौट रहा था तभी सुबह शिवपुरी जिले के अमोला घाटी के नजदीक इनकी ट्रैवलर बस हादसे का

शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार हादसा नेशनल हाईवे-27 पर सुबह करीब 5.30 बजे हुआ। बताया जाता है कि 20 लोगों का म्यूजिशियन ग्रुप काशी विश्वनाथ में आयोजित शिवकथा कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के बाद लौट रहा था। सभी लोग गुजरात के जाने-माने कथावाचक डॉ. लंकेश बाबू के टीम के थे। डॉ. लंकेश शुक्रवार को ही फ्लाइट से गुजरात रवाना हो गए थे।ग्रुप के सभी सदस्य गुजरात के मेहसाणा और सुरेंद्रनगर के रहने वाले हैं। शनिवार सुबह लौटते वक्त इनकी ट्रैवलर शिवपुरी जिले के सुरवाया से गुजर रही थी। इसी दौरान बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और दूसरी लेन में जाकर ट्रक से टक्कर हो गई। सूचना मिलते ही सुरवाया पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। हादसे में सिंगर हार्दिक दवे (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में उपचार के दौरान राजा ठाकुर (28), अंकित ठाकुर 17) और राजपाल सोलंकी (60) ने भी दम तोड़ दिया।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने की सीएम योगी से मुलाकात, राजनीतिक गलियारों में लगने लगे कयास

एजेंसी

लखनऊ। सपा की बागी और फिर बीते निष्कासित की गई विधायक पूजा पाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सपा से निकाले जाने के बाद यह सीएम के साथ उनकी पहली औपचारिक मुलाकात है। उनकी इस मुलाकात के बाद राजनीतिक मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं। मालूम हो कि पूजा पाल को बीते दिनों पार्टी से निकाल दिया गया था।

पूजा पाल ने की थी सीएम योगी की तारीफ

कौशांबी जिले की चायल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी विधायक पूजा पाल को आखिरकार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया

गया है। पिछले साल राज्यसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के पक्ष में वोटिंग की थी। उस समय से अब तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। विधायक और हाईकमान के बीच तल्खियां तो काफी दिन से चली आ रही थीं। लेकिन बृहस्पतिवार को जब विधायक पूजा पाल ने सदन में खुलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की तो सपा अध्यक्ष ने निष्कासन पत्र भिजवा दिया।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद बदलने लगा था पूजा का रुखः पूजा पाल 2022 के विधानसभा चुनाव में चायल सीट से सपा के टिकट पर विधायक बनी थीं। उमेश पाल हत्याकांड के बाद पूजा का रुख बदलने लगा। वह भाजपा के करीब होने लगीं। उनके आचरण और बयानों को लेकर पार्टी में असंतोष बढ़ रहा था।

पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग, सीएम रंगासामी बोले- निर्णय लेने-लागू करने की शक्तियां नहीं

एजेंसी

पुडुचेरी। मुख्यमंत्री एन रंगासामी पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश के पास त्वरित निर्णय लेने और उन्हें लागू करने की पूर्ण शक्तियां नहीं हैं। सीएम रंगासामी ने सूचना एवं प्रचार निदेशालय द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लिया। समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि एक केंद्र शासित प्रदेश होने के नाते पुडुचेरी में निर्वाचित सरकार निर्णय लेने और उन्हें लागू करने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि हर बार निर्वाचित सरकार को अपने निर्णयों को लागू करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति लेने की

मजबूरी होती है। हम वर्तमान में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन हैं। ऐसी बाधाएं एक निर्वाचित सरकार के कामकाज के लिए एक व्यावहारिक कठिनाई हैं। उन्होंने आगे कहा कि केवल राज्य का दर्जा ही मददगार होगा। उन्होंने कहा कि अगर निर्वाचित सरकार को पूर्ण शक्तियां मिलें तो पुडुचेरी और भी ऊंचाइयों को छू सकता है। एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे रंगासामी ने कहा कि हम केंद्र को राज्य के दर्जे की मांग स्वीकार करने के लिए राजी कर रहे हैं। सीएम रंगासामी ने राज्य के दर्जे के लिए निरंतर और एकजुट संघर्ष के लिए सभी राजनीतिक दलों, विधायकों और विभिन्न संगठनों का आभार भी व्यक्त किया।

रंगसामी ने कहा कि पुडुचेरी में प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को दी जाने वाली मासिक पेंशन वर्तमान 12,000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दलित वर्गों, पिछड़े वर्गों और अन्य कमजोर वर्गों की आवास आवश्यकताओं का ध्यान रखने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री 17-18 अगस्त को नेपाल के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री 17 एवं 18 अगस्त को नेपाल के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह यात्रा नेपाल के विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के निमंत्रण पर हो रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध है, जो हाल के वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से और मजबूत हुए हैं। भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत नेपाल के साथ संबंधों को विशेष महत्व दिया जाता है। बयान में कहा गया कि मिस्री की यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय संवाद की परंपरा को आगे बढ़ाएगी और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगी।

अलास्का में हुई बैठक पुतिन के लिए सफल रही : रक्षा विशेषज्ञ रोविंदर सचदेव

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति विषय पर अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक हुई। लगभग तीन घंटे तक चली बैठक में युद्ध समाप्ति पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला। इस बैठक पर रक्षा विशेषज्ञ रोविंदर सचदेव ने कहा कि यह रूस के लिए सफल रहा। रक्षा विशेषज्ञ रोविंदर सचदेव ने बातचीत में कहा कि अलास्का में तीन घंटे चली बैठक पूरी दुनिया में चर्चा में है। यह मीटिंग रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए सफल रही, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सफल नहीं कह सकते, जो भारत के लिए अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों रूस-यूक्रेन में सीजफायर होगा या पहले शांति का फॉर्मूला बनेगा। पुतिन का कहना है कि पहले पीस फॉर्मूला बनाओ, उसके बाद मैं सीजफायर करूंगा। यूक्रेन, यूरोप और अमेरिका की कुछ हद तक मांग थी कि पहले युद्धविराम हो, उसके बाद शांति का फॉर्मूला बनाते हैं। इसमें यूरोप पीछे हटता दिख रहा है। यह मीटिंग दो पहलू को लेकर की गई थी, एक था रूस-अमेरिका के रिश्ते वापस पटरी पर आएं और दूसरा यूक्रेन-रूस में सीजफायर। यह बैठक सकारात्मक होने से भारत पर लगने वाले अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ हट सकते हैं। शांति का फॉर्मूला जेलेंस्की की सहमति पर ही संभव है, वह चाहे अमेरिका के दबाव में हो या रूस के दबाव से संभव हो। यह रूस की एक तरह की जीत है।

जिन्ना और माउंटबेटन के सामने कांग्रेस ने सरेंडर किया : राकेश सिन्हा

नई दिल्ली । पूर्व सांसद राकेश सिन्हा ने भारत के विभाजन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार मानते हुए कहा कि उस समय अगर जिन्ना और माउंटबेटन के सामने कांग्रेस ने सरेंडर ना किया होता तो विभाजन नहीं होता। दरअसल, एनसीईआरटी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विशेष मॉड्यूल जारी किया, जिसमें देश के विभाजन के लिए तीन लोगों को जिम्मेदार ठहराया गया। एनसीईआरटी के इस मॉड्यूल पर राजनीति भी तेज हो गई है। विपक्ष का दावा है कि इतिहास में पीछे जाने से कुछ भी हासिल नहीं होगा; बल्कि, वर्तमान की परिस्थितियों पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। एनसीईआरटी के विशेष मॉड्यूल पर पूर्व सांसद राकेश सिन्हा ने बातचीत में कहा कि विभाजन में माउंटबेटन की बड़ी भूमिका थी। जिन्ना अलगाववादी नेता के तौर पर उभर कर आए जो पाकिस्तान की मांग कर रहे थे। कांग्रेस ने दोनों के सामने सरेंडर किया। पूर्व सांसद के अनुसार, अगर कांग्रेस तुष्टिकरण की नीति 1909 से जारी नहीं रखती तो शायद विभाजन की नौबत नहीं आती। कांग्रेस ने सांप्रदायिक ताकतों को कुचलने की जगह उनके साथ गले मिलने का काम किया। इसलिए सही है कि इस विभाजन के लिए तीन लोगों को जिम्मेदार ठहराया गया है। पूर्व सांसद राकेश सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाल किले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ के जवाब में विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि आरएसएस की भूमिका स्वतंत्रता संग्राम और उसके बाद के सामाजिक कार्यों में अद्वितीय रही है। उन्होंने दावा किया कि संघ ने ब्रिटिश शासन को चुनौती देने में न केवल सविनय अवज्ञा आंदोलन में हिस्सा लिया, बल्कि क्रांतिकारियों को हर संभव सहायता भी प्रदान की।

आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी में 25वीं मंजिल से गिरा पत्थर, 12 साल की बच्ची का फट गया सिर; लगे 10 टांके

एजेंसी

नई दिल्ली। सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली प्लेटिनम सोसाइटी में 25वीं मंजिल से पत्थर गिर गया। इससे 12 साल की बच्ची का सिर का फट गया। उसे 10 टांके लगे हैं। बच्ची के दादा की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर-113 की पुलिस ने एनबीसीसी के चीफ जनरल मैनेजर आदित्य पालीवाल, प्रोजेक्ट मैनेजर सुशांत, कृष्णा कंस्ट्रक्शन के कपूर, मैनेजर मंसूर अहमद, साइट इंजीनियर देवेंद्र कुमार, एओए अध्यक्ष आदित्य वशिष्ठ, सचिव अजीत सिंह व उपाध्यक्ष गौरव सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सोसाइटी निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उनकी पोती अद्विका पाटनी सुबह साढ़े दस बजे ट्यूशन जा रही थी। वह टावर के पिछले गेट से निकल रही थी तभी पत्थर उसके सिर पर गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे मदरलैंड अस्पताल ले जाया गया। यहां से उसे रेफर कर दिया गया। बच्ची के सिर में 10 टांके लगे हैं।

यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग, भाऊ गैंग ने ली जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। भाऊ गैंग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। गैंग के दो बदमाशों नीरज फरीदपुरिया और भाऊ रिटोलिया का सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें साफ लिखा है कि एल्विश यादव के घर पर जो गोली चली, वह उन्होंने चलवाई है। वायरल पोस्ट में लिखा गया है, हां भाई राम राम सारे भाईया ने... आज जो एल्विश यादव के घर गोली चली है वो हमने नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया ने चलवाई है। आज हमने इसको अपना परिचय दिया है। एल्विश ने बेटिंग ऐप का प्रमोशन करके बहुत से घर बर्बाद किए हैं। इसलिए उन्होंने उनके घर पर फायरिंग की है।

पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा,

वार्निंग देता हूं। जो भी सट्टे का प्रमोशन करता मिलेगा, उसके पास कॉल या गोली कभी भी आ सकती है। जो भी सट्टेबाज हैं, तैयार रहो। हालांकि पुलिस का कहना है कि इस पोस्ट की अभी तक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। जांच एजेंसियां इस पोस्ट की सच्चाई जानने और इसे पोस्ट करने वाले लोगों की पहचान करने में जुटी हैं। बता दें कि भाऊ गैंग एक अपराधी गिरोह है जो हरियाणा और पंजाब में फिरौती, धमकी, वसूली और हत्या जैसे मामलों के लिए जाना जाता है। नीरज फरीदपुरिया इस गैंग का मुख्य सदस्य है। वह हरियाणा के पलवल का रहने वाला है। उस पर हत्या, जबरन वसूली और धमकी देने जैसे कई संगीन केस दर्ज हैं। नीरज पहले जेल में था और उसे 2015 में उम्रकैद की सजा भी हुई थी, लेकिन जमानत मिलने के बाद वह विदेश भाग गया। अब वह वहीं से अपना नेटवर्क चला रहा है।

दूसरा आरोपी, भाऊ रिटोलिया, भी इसी गैंग का अहम हिस्सा है। उस पर भी कई आपराधिक केस दर्ज हैं। वह भी फिलहाल विदेश में बैठकर सोशल मीडिया पर धमकी देता है और लोगों से पैसे वसूलने जैसी घटनाओं को अंजाम देता है।

सीबीआई ने 26 साल से फरार हत्या के आरोपित को दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 26 साल से फरार हत्या के आरोपित मोहम्मद दिलशाद को यहां के इंदिरा गांधी अतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया। उसे 11 अगस्त को उस समय पकड़ा गया, जब वह फर्जी पासपोर्ट के जरिए सऊदी अरब से भारत लौट रहा था। गिरफ्तारी के बाद 14 अगस्त को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सीबीआई के मुताबिक, दिलशाद पर अक्टूबर 1999 में सऊदी अरब के रियाद शहर में एक व्यक्ति की हत्या करने का आरोप है। उस वक्त वह वहां एक मोटर मेकैनिक और सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था। हत्या के बाद वह भारत भाग आया था और तब से फरार था। सऊदी अधिकारियों के अनुरोध पर सीबीआई ने अप्रैल 2022 में इस मामले में केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पता चला कि दिलशाद ने नई पहचान के साथ फर्जी पासपोर्ट बनवाया और विदेशों की यात्रा करता रहा। वह कतर, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों में आता-जाता रहा। सीबीआई ने उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया और उसके उत्तर प्रदेश के बिजनौर स्थित गांव का भी पता लगाया, लेकिन वह लगातार बचता रहा। बाद में तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर सीबीआई को उसके नए पासपोर्ट का सुराग मिला, जिसके बाद दूसरा एलओसी जारी किया गया। इसके बाद 11 अगस्त को जैसे ही वह मदीना से जेद्दा होते हुए दिल्ली पहुंचा, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई ने बताया कि मामले की जांच अब भी जारी है।

जयशंकर ने कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां कोरिया गणराज्य (आरओके) के नवनियुक्त विदेश मंत्री चो ह्यून का भारत में स्वागत किया। जयशंकर ने चो ह्यून को उनके हालिया पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी और कहा कि एक पुराने मित्र का नए सहयोगी के रूप में स्वागत करना एक विशेष अवसर है।

डॉ. जयशंकर ने चो ह्यून की भारत यात्रा को विशेष बताया और कहा कि कोरिया के राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस तथा भारत के स्वतंत्रता दिवस के एक दिन बाद ही उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच रिश्तों को दी जाने वाली प्राथमिकता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत और कोरिया गणराज्य के विशेष रणनीतिक साझेदारी की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। विदेश मंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कोरियाई राष्ट्रपति के बीच हाल ही में कनाडा के कानानास्किस में हुई बैठक का भी उल्लेख किया, जिसे उन्होंने 'बहुत सकारात्मक' बताया। डॉ. जयशंकर ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए

आतंकी हमले की कोरिया द्वारा निंदा किए जाने पर आभार जताया। साथ ही उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की सियोल यात्रा के दौरान कोरियाई नेतृत्व से हुई बैठकें काफी सकारात्मक रहीं और स्वयं विदेश मंत्री चो ह्यून द्वारा प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात को उन्होंने सराहा भारत और कोरिया के बीच रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, आर्थिक सहयोग, संपर्क एवं जन-संपर्क जैसे विविध क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने की इच्छा जताते हुए विदेश मंत्री ने बैठक को सफल बनाने की उम्मीद जताई।

मनीष सिसोदिया के कथित वीडियो को लेकर भाजपा ने चुनाव आयोग में शिकायत दी

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के कथित वीडियो पर पंजाब में संग्राम छिड़ा है। भाजपा का आरोप है कि आम आदमी पार्टी 2027 का पंजाब चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जाने की साजिश रच रही है। भाजपा ने कथित वीडियो के बाद मनीष सिसोदिया के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दी है।

भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'आप नेता मनीष सिसोदिया का 2027 का चुनाव किसी भी जायज या नाजायज तरीके से जीतने का वीडियो वायरल होने के बाद हमने चुनाव आयोग को यह पत्र लिखा है, ताकि आम आदमी पार्टी की ओर से चुनाव प्रक्रिया को प्रदूषित करने की कोशिशों को रोका जा सके।उन्होंने सवाल उठाते हुए आगे लिखा, जो लोग खुलेआम किसी भी तरीके का इस्तेमाल करने की बात कर रहे हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे चुनाव जीतने के लिए पंजाब का माहौल बिगाड़ने या

पंजाब को नुकसान पहुंचाने के लिए किस हद तक जा सकते हैं? चुनाव आयोग को भेजे गए पत्र में सुनील जाखड़ ने लिखा, आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने खुले तौर पर घोषणा की कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव जीतने के लिए, आम आदमी पार्टी साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल, जवाब, लड़ाई, झगड़ा÷ का सहारा लेगी। उन्होंने आगे लिखा, ÷ऐसे शब्दों की व्याख्या करने पर, आप पार्टी की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की मंशा स्पष्ट रूप से प्रकट होती है। पत्र में आगे लिखा, ये बयान भ्रष्ट आचरण अपनाने, मतदाताओं को डराने, दुश्मनी फैलाने और राज्य में सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने के इरादे की खुली स्वीकारोक्ति के समान हैं, जिससे पंजाब की शांति, विकास और समृद्धि को खतरा है। ये जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत गंभीर अपराध है। इसके अलावा, ये विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने, राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध बयान देने, अवैध रूप से धमकी देने और भय पैदा करने के लिए धारा 196, 197, 353 सहित बीएनएस/आईपीसी के प्रावधानों के भी विपरीत है। सुनील जाखड़ ने चुनाव आयोग से मांग की कि वह इस मामले पर तत्काल संज्ञान ले और जांच कराए। साथ ही, प्राथमिकी दर्ज कराकर मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के खिलाफ सख्त दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए।

कांग्रेस नेता ने की आरएसएस की तालिबान से तुलना, भाजपा ने बताया राष्ट्रवाद और सनातन का अपमान

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता बीके हरीप्रसाद के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना तालिबान से करने के बाद सियासत गरमा गई है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला और मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला और कांग्रेस नेता के इस बयान को राष्ट्रवाद और सनातन धर्म का अपमान बताया।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कांग्रेस नेता और गांधी परिवार के करीबी बीके हरीप्रसाद कहते हैं कि पाकिस्तान हमारा दुश्मन नहीं है, वह भाजपा का दुश्मन है। हरीप्रसाद आरएसएस को तालिबान बताते हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी भी राष्ट्रवादी संगठन को गालियां देती है, उनका अपमान करती है, और हिंदुओं को बदनाम करती है, जबकि उसे पीएफआई, सिमी और पाकिस्तान

समर्थित आतंकी संगठनों में भाईचारा दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सेना में सड़क का गुंडा, सर्जिकल स्ट्राइक में खून की दलाली, सिंदूर में तमाशा और राष्ट्रवादी संगठनों में तालिबान दिखाई देता है, लेकिन पाकिस्तान में उनको भाईजान नजर आता है। शहजाद ने आगे कहा कि हरीप्रसाद ने कहा कि पाकिस्तान ने कोई गलत काम नहीं किया है, हम उसके दोस्त हैं, वह भाजपा का दुश्मन है। यह कांग्रेस की मानसिकता और प्रवृत्ति को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सेना, संवैधानिक संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं और सनातन धर्म का अपमान कांग्रेस की पहचान बन चुकी है। पूनावाला ने सवाल उठाया कि यदि आरएसएस तालिबान है, तो पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी उसके मुख्यालय क्यों गए थे, महात्मा गांधी और जयप्रकाश नारायण ने उसकी प्रशंसा क्यों की थी और 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में आरएसएस को क्यों बुलाया गया था? वहीं, भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरीप्रसाद द्वारा आरएसएस की तुलना तालिबान से करना बेहद गिरी हुई मानसिकता को दर्शाता है। इससे साफ झलकता है कि कांग्रेस का तालिबान के प्रति कितना लगाव है। सिरसा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का आतंकियों के प्रति झुकाव कोई नई बात नहीं है। जब-जब आतंकियों का खात्मा होता है, कांग्रेस उनके लिए आंसू बहाती है क्योंकि उसकी राजनीति वोट बैंक पर आधारित है। विशेष वर्ग के वोट पाने के लिए कांग्रेस हमास, आईएसआईएस और तालिबान जैसे आतंकी संगठनों को भी भगवान का रूप देने से नहीं हिचकिचाती।

'पीड़िता के माता-पिता की शिकायतों पर ध्यान दें', राष्ट्रपति भवन का बंगाल के मुख्य सचिव को निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की मृतक डॉक्टर के माता-पिता की ओर से बार-बार की जा रही सुरक्षा की मांग को लेकर राष्ट्रपति भवन ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत को जांच का निर्देश दिया है। पीड़िता के पिता ने 10, 11 और 12 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तीन ईमेल लिखे थे, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें मानसिक और शारीरिक तकलीफ दी जा रही है और उनकी जान को भी खतरा है। उन्होंने लिखा, हम सब कुछ खो चुके हैं। यह आपके कार्यालय को हमारी तीसरा पत्र है। कृपया जवाब दें।राष्ट्रपति भवन ने 14 अगस्त को यह ईमेल मुख्य सचिव को भेजते हुए कहा, संबंधित ध्यानार्थ एक ईमेल याचिका

संलग्न है, जो भारत के राष्ट्रपति को भेजी गई है और स्वयं ही स्पष्ट है। कृपया उनकी मांग पर की गई कार्रवाई के बारे में याचिकाकर्ता को सीधे सूचित करें। राष्ट्रपति सचिवालय के उप सचिव गौतम कुमार की ओर से भेजे गए ईमेल में यह भी कहा गया, अधिक जानकारी के लिए याचिकाकर्ता से अनुरोध है कि वे सीधे संबंधित अधिकारी से संपर्क करें। डॉक्टर के पिता ने पीटीआई से कहा कि अब उन्हें इस मामले में उचित कार्रवाई की उम्मीद है। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि अब मामले में काम शुरू होगा।

वोट चोरी के आरोपों पर चुनाव आयोग बोला- राजनीतिक दलों ने सही समय पर मतदाता सूची की जांच नहीं की

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्ष द्वारा मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों को लेकर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए चुनाव आयोग ने कहा कि ऐसा लगता है कि कुछ राजनीतिक दलों ने चुनाव मशीनरी को त्रुटियां बताने के लिए ''उचित समय'' पर मतदाता सूची की जांच नहीं की। चुनाव अयोग ने इन गड़बड़ियों के लिए राजनीतिक दलों को जिम्मेदार ठहराया है।

आयोग ने यह भी कहा कि वह अपने अधिकारियों को खामियों को दूर करने में मदद करने के लिए दस्तावेज की जांच का स्वागत करता है। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद दावे और आपत्तियां उठाने का समय, पार्टियों के लिए खामियों को चिह्नित करने का उपयुक्त समय है।बयान में कहा गया, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) ने उचित समय पर मतदाता सूचियों की जांच नहीं की और यदि कोई त्रुटि थी तो उसे इंगित नहीं किया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि हाल में कुछ राजनीतिक दलों और व्यक्तियों ने मतदाता सूचियों में त्रुटियों के बारे में मुद्दे उठाए थे, जिनमें पूर्व में तैयार की गई मतदाता सूचियां भी शामिल थीं। बयान में कहा गया है कि मतदाता

सूची से संबंधित कोई भी मुद्दा उठाने का उपयुक्त समय 'दावे और आपत्तियां' अवधि के दौरान होता।आयोग ने कहा, यदि ये शिकायतें वास्तव में सही होतीं और इन मुद्दों को सही समय पर और सही माध्यमों से उठाया गया तो संबंधित एसडीएम, ईआरओ को चुनावों से पहले उन्हें सुधारने में सक्षम होते।

आयोग ने कहा, इन त्रुटियों की वजह राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों की तरफ से सूचियां बारीकी से न जांचना है। आयोग के दिशा-निर्देशों के आधार पर निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ)-जो एसडीएम स्तर के होते हैं-बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की सहायता से ही सूची तैयार करते हैं और उन्हें अंतिम रूप देते हैं। ईआरओ और बीएलओ इसकी शुद्धता की जिम्मेदारी लेते हैं। मतदाता सूची तैयार करने के प्रत्येक चरण में राजनीतिक दलों की भागीदारी होती है। बिहार में भी यही देखने को मिला है। आयोग ने फिर दोहराया कि राजनीतिक दलों और किसी भी मतदाता की तरफ से सूची की जांच की जा सकती है। आयोग इसका स्वागत करता है। इससे एसडीएम, ईआरओ को त्रुटियों को दूर करने और मतदाता सूचियों को शुद्ध करने में मदद मिलेगी जो हमेशा से चुनाव आयोग का उद्देश्य रहा है।

युवा कांग्रेस ने शुरू किया घर-घर जाकर मतदाता सूची जांचने का अभियान

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर मतदाता सूचियों में फिर गड़बड़ियों के आरोप को लेकर देशभर में अभियान चलाने की पार्टी की घोषणा के बीच युवा कांग्रेस ने घर-घर जाकर मतदाताओं का सूची से मिलान करने का अभियान शुरू किया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने एक बयान में कहा कि उन्होंने जम्मू (उत्तर) विधानसभा में कार्यकर्ताओं के साथ तथाकथित वोट चोरी के खिलाफ घर-घर मतदाताओं से संपर्क कर इस अभियान की शुरुआत की। श्री चिब ने कहा, लोकतंत्र की लड़ाई अब हर बूथ तक पहुँच चुकी है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर वोट चोरी रोको आंदोलन का एलान किया है। मैंने जम्मू (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र में अपने बूथ की सूचियों से जुड़े मतदाताओं से घर-घर जाकर नामों की पुष्टि शुरू की ।उन्होंने कहा आने वाले दिनों में हर युवा कांग्रेसी कार्यकर्ता अपने बूथ पर धांधली उजागर करेगा।

संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करना राहुल गांधी की आदत : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की लालकिला पर 79वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम से दूरी बनाए जाने पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने इसे संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने लोकतंत्र के सर्वोच्च पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम किया है और यह उनकी आदत का हिस्सा बन चुका है। बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक तरफ स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम से दूरी बनाते हैं, दूसरी तरफ 1984 के सिख नरसंहार के मास्टरमाइंड जगदीश टाइटलर को सम्मान देते हैं। चुघ ने इस दौरान एक फोटो के हवाले से कहा कि जगदीश टाइटलर को राहुल गांधी ने 15 अगस्त पर आयोजित कार्यक्रम में बुलाया। जगदीश टाइटलर की फोटो दिखाते हुए चुघ ने कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाए और पंजाब कांग्रेस नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और राजा वडिंग की चुप्पी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर नफरत, विभाजन और दंगों की

राजनीति करने का आरोप लगाया, साथ ही संविधान की रक्षा का ढोंग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कातिलों का सम्मान करने का सच, यह कांग्रेस का काला इतिहास है।रोजगार के मुद्दे पर विपक्ष के आरोपों पर उन्होंने कांग्रेस की सरकारों को घोटालों, भ्रष्टाचार और खर्ची-पर्ची के लिए जिम्मेदार ठहराया, विशेष रूप से 2जी घोटाला। उन्होंने नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन में 12 लाख करोड़ रुपये की लूट हुई। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस पर गरीबी हटाओ के नारे को खोखला बताते हुए कहा कि इसने गरीबों को और गरीब बनाया, युवाओं को बेरोजगारी और महंगाई दी।

तरुण चुघ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार समावेशी विकास के साथ 25 करोड़ गरीबों के जीवन में बदलाव लाई। चुघ ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप ही लगा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सरकार की नीतियों का मूल आधार है, और नेशन फर्स्ट, किसान फर्स्ट केवल नारा नहीं, बल्कि पीएम मोदी के हर नीतिगत फैसले का आधार है। चुघ ने दावा किया कि मोदी सरकार किसानों की मेहनत, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाले किसी भी कदम को स्वीकार नहीं करेगी। इसके साथ ही, उन्होंने नए भारत की अवधारणा को परिभाषित करते हुए कहा कि यह किसानों को केवल खाद्य सुरक्षा के स्रोत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि और संप्रभुता के आधार के रूप में देखता है। आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया के पंजाब चुनाव जीतने पर दिए एक बयान पर तरुण चुघ ने कहा कि यह पार्टी साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर पंजाब में अशांति फैलाने और चुनाव जीतने के लिए गैरकानूनी और अनैतिक साजिश रच रही है। उन्होंने तिहाड़ जेल रिटर्न्स तिकड़ी का जक्र करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल, जो दिल्ली शराब नीति मामले में जेल में रह चुके हैं, दिल्ली से आकर पंजाब को लूटना चाहते हैं।

शुभांशु शुक्ला का भारत में लौटने पर भव्य स्वागत; संसद में सफल अंतरिक्ष मिशन पर विशेष चर्चा की योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का रविवार तड़के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत हुआ। उनके आगमन के बाद लोकसभा में भारत की अंतरिक्ष यात्रा और शुक्ला के ऐतिहासिक मिशन पर विशेष चर्चा होगी। लोकसभा में होने वाली बहस का विषय है - अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर भारत का पहला अंतरिक्ष यात्री - विकसित भारत 2047 के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की भूमिका।÷ माना जा रहा है कि यह चर्चा संसद में जारी गतिरोध को खत्म कर सकती है और भारत की नई उपलब्धि को सम्मान देगी। शुक्ला जून-जुलाई में दो सप्ताह के अंतरिक्ष मिशन से लौटे। दिल्ली पहुंचने पर उनका स्वागत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह और बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने किया। यह चर्चा विपक्ष द्वारा मतदाता सूचियों में कथित हेराफेरी और चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को उठाने के प्रयासों के बीच आयोजित की गई है। जून में, शुक्ला आईएसएस के एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने थे - भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद। वह 16 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे। यह मिशन केवल भारत ही नहीं, बल्कि पोलैंड और हंगरी के लिए भी चार दशक बाद मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम में वापसी का प्रतीक रहा। शुक्ला ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) का प्रतिनिधित्व किया और उनका यह अनुभव भविष्य के गगनयान मिशन और भारत के अपने अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्ला की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक की अंतरिक्ष यात्रा ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। यह भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। अंतरिक्ष विभाग ने शुक्ला के मिशन को रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम बताया है और कहा कि यह भारत की मानव अंतरिक्ष यात्रा में गंभीर दावेदारी का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि देश का हर नागरिक अंतरिक्ष क्षेत्र की इस प्रगति से गौरवान्वित है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब आत्मनिर्भर गगनयान मिशन और अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है।

संपादक की कलम से

उधम सिंह सरदार: एक गोली, सौ सालों की गूंज

भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई केवल तलवारों की टंकार या जुलूसों की गूंज नहीं थी, वह उन आंखों में पलते संकल्पों की लड़ाई थी, जो वर्षों तक प्रतिशोध को अपनी आत्मा में पाले रही। वह उन लोगों की कहानी थी, जो नारे नहीं लगाते थे, लेकिन भीतर ही भीतर एक ज्वालामुखी की तरह उबलते रहते थे। उन ज्वालाओं में से एक नाम था – उधम सिंह।

उधम सिंह, जिन्होंने जलियाँवाला बाग की मिट्टी में अपने साथियों का खून देखा। जिन्होंने अपने जीवन को एक ही लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया – न्याय। यह कहानी है एक ऐसे वीर की, जो किसी अखबार की सुखी नहीं बना, लेकिन इतिहास की सबसे करारी चोट साबित हुआ।

13 अप्रैल 1919, अमृतसर। बैसाखी का त्यौहार था। जलियाँवाला बाग में हजारों लोग शांतिपूर्वक एकत्र थे। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यह दिन इतिहास के सबसे रक्तरंजित दिनों में तब्दील हो जाएगा। जनरल डायर की क्रूरता ने मासूमों पर गोलियों की बौछार कर दी। न कोई चेतावनी, न कोई चेतावक विचार। निहत्थे लोगों पर मशीनगनों से फायरिंग हुई। लाशों की चादर बिछ गई। सैकड़ों लोग मारे गए, और हजारों जख़्मी। पूरा बाग खून से लाल हो गया।

उसी नरसंहार में एक 20 वर्षीय युवा घायल, लेकिन जीवित बचा– उधम सिंह। उन्होंने न केवल उस घटना को देखा, बल्कि उसे अपने सीने में पत्थर की तरह गड़ा लिया। उन्होंने न शोर मचाया, न कोई शिकायत की। पर उनके अंदर एक ज्वाला धधक रही थी, जो शांति से नहीं बुझने वाली थी।

उधम सिंह ने अपने जीवन को एक ही दिशा दी–इस क्रूरता का बदला लेना। उन्होंने प्रतिशोध नहीं, न्याय की भाषा चुनी। वे वर्षों तक खामोशी से तैयारी करते रहे। अपने देश से दूर जाकर दुश्मन की धरती पर खड़े होकर भारत का परचम लहराने का उन्होंने प्रण लिया। यह कोई आवेश में किया गया कार्य नहीं था, यह एक सुनियोजित नैतिक युद्ध था।

1934 में वे लंदन पहुँचे। वहाँ वे गुमनाम ज़िंदगी जीते रहे। उनका मकसद केवल ओडायर तक पहुँचना था–वह व्यक्ति जिसने जनरल डायर के कत्लेआम को समर्थन और सम्मान प्रदान किया था। 13 मार्च 1940 को वह दिन आया, जब उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के एक सभागार में जाकर, कैक्सटन हॉल में ओडायर को गोली मारी। वह गोली केवल एक शरीर को नहीं भेदती थी, वह एक साम्राज्य की आत्मा को झकझोर देती थी।

उधम सिंह वहीं गिरफ्तार हुए। उन्होंने भागने की कोई कोशिश नहीं की। अदालत में खड़े होकर उन्होंने गर्व से कहा, मैंने मारा है। यह प्रतिशोध नहीं, न्याय है। मैं अपने देश के लिए मरने जा रहा हूँ, और मुझे इस पर गर्व है। उनके चेहरे पर न पछतावा था, न भय। वह एक आत्मा थी, जो न्याय के सिद्धांत पर अडिग थी।

ब्रिटिश शासन की नींव को यह घटना अंदर तक हिला गई। एक भारतीय, साम्राज्य की राजधानी में आकर, खुलेआम न्याय कर गया। यह केवल एक हत्या नहीं थी, यह अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ एक नैतिक घोषणापत्र था। उधम सिंह ने यह दिखा दिया कि भारतवासी केवल लड़ाई के मैदान में ही नहीं, विवेक और साहस के साथ भी लड़ सकते हैं।

आजादी के बाद भारत ने उधम सिंह को शहीद-ए-आजम की उपाधि दी। लेकिन क्या हम सच में उनके विचारों और बलिदान के योग्य उत्तराधिकारी बन पाए हैं?

आज भी हमारे देश में अन्याय मौजूद है। बलात्कारियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है, पत्रकार जेलों में बंद हैं, गरीब किसान आत्महत्या कर रहा है और सत्ता मौन है। क्या यही वह भारत है, जिसकी कल्पना उधम सिंह ने की थी? क्या हममें से किसी के भीतर वैसी आग बची है?

उधम सिंह ने बंदूक चलाई थी, लेकिन वह गोली भारत की चेतना को जगा गई थी। वह गोली एक उदाहरण थी, कि अगर अन्याय को सहा गया, तो वह बार-बार दोहराया जाएगा। उन्होंने यह दिखाया कि सच्चा राष्ट्रभक्त वह नहीं जो तिरंगा लहराकर भाषण देता है, बल्कि वह है जो अन्याय के सामने कभी न झुके।

आज जब हम राष्ट्रवाद के नाम पर नफरत का बाजार सजते देख रहे हैं, तो उधम सिंह का नाम हमें आइना दिखाता है। उन्होंने कभी किसी धर्म, जाति या पार्टी के नाम पर संघर्ष नहीं किया। उनका उद्देश्य केवल एक था–न्याय और स्वतंत्रता।

उनकी जयंती या पुण्यतिथि पर हम मोमबत्तियाँ जलाते हैं, प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाते हैं। लेकिन यह श्रद्धांजलि तब तक अधूरी है जब तक हम उनके विचारों को अपने जीवन में न उतारें। देशभक्ति केवल एक दिवस की भावना नहीं हो सकती। वह एक निरंतर जागरूकता है, जो हर अन्याय के खिलाफ आवाज बनकर उठती है।

आज के युवाओं के लिए उधम सिंह एक आदर्श हैं। एक ऐसा आदर्श जो कहता है – धैर्य रखो, पर चुप मत रहो। तैयारी करो, पर डर मत खाओ। न्याय माँगो नहीं, उसे प्राप्त करो।

अगर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सच्चे नागरिक बनें, तो हमें उन्हें उधम सिंह की कहानी केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि जीवन के उदाहरणों से सिखानी होगी। उनकी तस्वीर केवल दीवार पर न टांगे, बल्कि उनके सिद्धांतों को अपने आचरण में उतारें।

थोड़ा सा चलते ही चढ़ने लगती है सांस? ये हो सकती हैं इन बीमारियों की निशानी

अगर आप कुछ कदम चलते ही या सीढ़ियां चढ़ते वक्त जल्दी-जल्दी सांस लेने लगते हैं, तो यह सामान्य थकावट नहीं बल्कि शरीर के भीतर चल रही किसी गंभीर दिक्कत का संकेत हो सकता है. अक्सर लोग इसे उम्र, मोटापा या फिटनेस की कमी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना भविष्य में खतरनाक साबित हो सकता है. सांस फूलना कई अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हो सकता है- खासकर दिल, फेफड़े और खून से संबंधित बीमारियों से.

कभी-कभी गंभीर लक्षण सांस फूलना यानी जल्दी-जल्दी सांस लेने की परेशानी एक आम लेकिन कभी-कभी गंभीर लक्षण हो सकता है. जब फेफड़े, दिल या खून में ऑक्सीजन की कमी होती है, तो शरीर को जरूरत के हिसाब से ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और इस वजह से सांस लेने में दिक्कत महसूस होती है. यह दिक्कत सीढ़ियां चढ़ते समय, तेज चलने पर या कभी-कभी बिना कोई मेहनत किए भी हो सकती है. अस्थमा, एनीमिया, हार्ट डिजीज, मोटापा, फेफड़ों में संक्रमण या पैनिक अटैक जैसी स्थितियां इसके पीछे का कारण हो सकती हैं. अगर सांस फूलना बार-बार हो रहा है या इसके साथ सीने में दर्द, थकान, खांसी या धड़कन तेज होने जैसे लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से जांच कराना बहुत जरूरी है. दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग में डॉ. अजीत जैन बताते हैं किहमारा दिल पूरे शरीर में खून पंप करता है. जब दिल की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं या ब्लड फ्लो में रुकावट आ जाती है, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती. हार्ट फेल्योर, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और हार्ट वाल्व से जुड़ी समस्याएं सांस फूलने का कारण बन सकती हैं. ऐसे मरीजों को खासतौर पर थोड़ी मेहनत या चलने-फिरने पर सांस फूलने लगती है और थकावट महसूस होती है. अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, फेफड़ों में इन्फेक्शन या फाइब्रोसिस जैसे रोग फेफड़ों की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं. जब फेफड़े शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं दे पाते, तो सांस जल्दी चढ़ने लगती है. खासकर धूल, धुएं या ठंडी हवा में ये लक्षण और बढ़ जाते हैं.

उपराष्ट्रपति पद के एनडीए उम्मीदवार- श्री सी.पी. राधाकृष्णन

सत्ता, क्षेत्र , वर्ग , संतुलन और राजनीतिक व्याकरण की पुनर्कथा

– परिचय दास

।। एक ।।

भारतीय राजनीति में हर संवैधानिक पद की उम्मीदवारी केवल एक औपचारिकता नहीं होती बल्कि गहरे राजनीतिक संकेतों और व्यापक रणनीतिक संदेशों से जुड़ी होती है। जब एनडीए ने श्री चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया तो यह निर्णय अनेक स्तरों पर पढ़ा और समझा जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति का पद यद्यपि संवैधानिक दृष्टि से राज्यसभा की अध्यक्षता और आवश्यक स्थिति में राष्ट्रपति पद का निर्वहन करता है लेकिन उसके पीछे का राजनीतिक संदेश और भविष्य की राजनीति की दिशा भी छुपी रहती है। सी.पी. राधाकृष्णन दक्षिण भारत के एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक चेहरे हैं। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं और भाजपा को तमिलनाडु जैसे कठिन भू-राजनीतिक प्रदेश में स्थापित करने के प्रयासों का हिस्सा रहे हैं। एनडीए का यह निर्णय सीधे तौर पर संकेत देता है कि भाजपा अब केवल उत्तर भारत और हिंदी पट्टी की राजनीति तक सीमित नहीं रहना चाहती बल्कि दक्षिण भारत में अपनी गहरी पैठ बनाना चाहती है। यह चुनाव केवल व्यक्ति का चयन नहीं बल्कि भू-राजनीतिक समीकरणों को साधने का एक प्रयोग है।

तमिलनाडु भारतीय राजनीति का वह क्षेत्र है जहाँ अब तक भाजपा को कोई ठोस सफलता नहीं मिली। डीएमके और एआईएडीएमके की जकड़न यहाँ इतनी मजबूत रही है कि भाजपा हाशिये पर ही दिखाई देती रही लेकिन भाजपा का उद्देश्य केवल सत्ता में बने रहना नहीं है बल्कि उसे राष्ट्रीय स्तर पर सर्वव्यापी पार्टी का रूप देना है। ऐसे में राधाकृष्णन की उम्मीदवारी दक्षिण भारत को यह संदेश देती है कि केंद्र अब इस भूभाग को नजरअंदाज नहीं कर रहा। यह उनके सम्मान और प्रतिनिधित्व का प्रतीक है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी में सी.पी. राधाकृष्णन का नाम आगे करने के पीछे एक और रणनीतिक सोच है। एनडीए शायद यह भी जताना चाहती है कि उसका दृष्टिकोण केवल बहुसंख्यकता पर टिका नहीं है बल्कि वह विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को आगे बढ़ाना चाहती है। दक्षिण भारत के नेताओं को संवैधानिक पदों पर बैठाकर भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह अखिल भारतीय दल के रूप में सबको साथ लेकर चलने में सक्षम है। इस निर्णय को 2029 की राजनीति की तैयारी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। यदि भाजपा 2024 और आगे के चुनावों में बहुमत बनाए रखती है तो उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण भारत में पैठ बढ़ाने की होगी। इस क्षेत्र में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों की पकड़ मजबूत है। ऐसे में यदि भाजपा अपने शीर्ष संवैधानिक पदों पर दक्षिण के चेहरों को लाती है तो यह धीरे-धीरे एक स्वीकार्यता का माहौल बना सकता है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी एक प्रकार से उस लंबी रणनीति की प्रस्तावना है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भाजपा और एनडीए अब ह्यसमावेशी प्रतिनिधित्वह्न की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। राष्ट्रपति के पद पर द्रौपदी मुर्मू का चयन आदिवासी और महिला प्रतिनिधित्व की दिशा में बड़ा कदम था। उसी क्रम में उपराष्ट्रपति पद पर राधाकृष्णन का चयन दक्षिण भारतीय भाषाई और सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व की ओर संकेत करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया युग है जहाँ संवैधानिक पद अब केवल वरिष्ठ नेताओं के लिए ह्यसम्मानजनक रिटायरमेंट का स्थान नहीं रह गए बल्कि इन्हें भू-राजनीतिक संतुलन और चुनावी रणनीति के औजार के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। इस चयन का एक और निहितार्थ है–विपक्ष की राजनीति। विपक्ष ने अब तक यह धारणा बनाई है कि भाजपा दक्षिण भारत विरोधी है और हिंदी-हिंदुत्व की राजनीति तक सीमित है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी इस धारणा को तोड़ने का प्रयास है। यह विपक्ष के नैरेटिव के विरुद्ध एक ठोस प्रत्युत्तर है कि भाजपा केवल उत्तर भारत की पार्टी है। इससे विपक्ष के सामने यह चुनौती भी खड़ी होती है कि वह किस प्रकार अपनी क्षेत्रीय पहचान को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय राजनीति में प्रासंगिक बने। विस्तृत परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि सी.पी. राधाकृष्णन की उम्मीदवारी भारतीय संघीय ढाँचे में संतुलन बनाने का प्रयास है। भारत बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और विविधताओं से भरा देश है। यदि राष्ट्रीय दल केवल एक ही क्षेत्र या भाषा तक सीमित रहते हैं तो उनकी अखिल भारतीय छवि कमजोर पड़ जाती है। भाजपा इस बात को समझ रही है कि उसे सत्ता में बने रहने के लिए और भविष्य की राजनीति पर प्रभुत्व बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय संतुलन जरूरी है। यही कारण है कि संवैधानिक पदों पर अब क्षेत्रीय चेहरों को अधिक महत्त्व दिया जा रहा है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी सामाजिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। वे एक ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसे दक्षिण भारत में बड़ी सामाजिक हैसियत प्राप्त है। इससे भाजपा को स्थानीय सामाजिक समीकरणों को साधने में मदद मिलेगी। उपराष्ट्रपति जैसे पद पर उनके बैठने से यह धारणा बनेगी कि भाजपा केवल उच्च जातियों या किसी एक वर्ग की राजनीति तक सीमित नहीं बल्कि वह विभिन्न सामाजिक समूहों को अपने साथ जोड़ने का प्रयास कर रही है। यह निर्णय मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी असर डालता है। राजनीति केवल सीटों और वोटों का गणित नहीं है बल्कि जनता के मनोभावों को प्रभावित करने का भी खेल है। जब कोई व्यक्ति संवैधानिक पद पर बैठता है तो उसकी पहचान और पृष्ठभूमि व्यापक स्तर पर एक संदेश देती है। राधाकृष्णन की पृष्ठभूमि और उनका दक्षिण भारत से आना एक गहरे मनोवैज्ञानिक प्रभाव का कारण बनेगा, जिससे धीरे-धीरे भाजपा को दक्षिण भारत में स्वीकृति मिल सकती है। इसके अलावा इस उम्मीदवारी में भाजपा की दीर्घकालीन दृष्टि भी झलकती है। भाजपा केवल वर्तमान चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रहती बल्कि अगले कई दशकों के लिए अपनी वैचारिक और संगठनात्मक बुनियाद तैयार करती है। राधाकृष्णन जैसे नेताओं को आगे कर भाजपा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दक्षिण भारत में भी एक मजबूत वैचारिक ढांचा खड़ा हो सके। कहा जा सकता है कि सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का निर्णय बहुस्तरीय महत्त्व रखता है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की राजनीति को साधने, विपक्ष की रणनीति को ध्वस्त करने, भाजपा की अखिल भारतीय छवि को मजबूत करने और दीर्घकालीन चुनावी लक्ष्य साधने का बड़ा कदम है। यह कदम भाजपा के उस राजनीतिक दर्शन को भी उजागर करता है जो केवल सत्ता तक सीमित नहीं बल्कि पूरे भारत को एक राजनीतिक-सांस्कृतिक इकाई के रूप में देखने की दृष्टि रखता है।

।। दो ।।

एनडीए ने जब सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया तो यह कदम केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं था। भारतीय राजनीति में इस प्रकार की उम्मीदवारी हमेशा बहुआयामी संदेश लेकर आती है। यह चयन केवल संसद के ऊपरी सदन की अध्यक्षता तक सीमित नहीं बल्कि देश की सामाजिक संरचना, मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों, आर्थिक दृष्टिकोण और क्षेत्रीय समीकरणों तक गहरी छाप छोड़ने वाला निर्णय है। भारत की राजनीति मूलतः सामाजिक ताने-बाने से संचालित होती है। जाति, वर्ग, समुदाय और सांस्कृतिक पहचान भारतीय मतदाता के मन में गहरे पैठ बनाए हुए हैं। दक्षिण भारत में विशेषकर तमिलनाडु में जातीय समीकरण बहुत गहरे और जटिल हैं। भाजपा लंबे समय से इस समाज में प्रवेश करने की कोशिश कर रही है लेकिन द्रविड़ राजनीति की पकड़ के कारण उसे पर्याप्त सफलता नहीं मिल सकी। ऐसे समय में सी.पी. राधाकृष्णन जैसे नेता को उपराष्ट्रपति पद पर लाना, सामाजिक रूप से यह संदेश देता है कि भाजपा दक्षिण भारतीय समाज को बराबरी का सम्मान दे रही है। राधाकृष्णन एक प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि से आते हैं और उनका एक गहन सामाजिक जीवन है। यह दक्षिण भारतीय समाज में उच्चतर वर्गों और मध्यम वर्गीय समुदायों को यह संदेश देता है कि भाजपा केवल उत्तर भारत के समाज के आधार पर नहीं बल्कि तमिल समाज को भी अपना हिस्सा मान रही है। इस तरह सामाजिक स्तर पर यह उम्मीदवार पूरे दक्षिण भारत के समाज को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़ने का एक माध्यम बनता है। राजनीति केवल बाहरी समीकरणों पर नहीं चलती बल्कि जनता के मन पर असर डालने वाले प्रतीकों और छवियों पर भी आधारित होती है। भाजपा पर प्रायः यह आरोप लगता रहा है कि वह हिंदी पट्टी की पार्टी है और दक्षिण भारत की संस्कृति, भाषा और समाज को उतना महत्त्व नहीं देती। विपक्षी दलों ने इस धारणा को और गहरा किया है। ऐसे में जब कोई दक्षिण भारत के पिछड़े समाजों से कोई चेहरा उपराष्ट्रपति पद पर आता है तो यह विशिष्ट मनोवृत्ति को प्रभावित करता है। तमिल समाज लंबे समय से इस बात को लेकर संवेदनशील रहा है कि केंद्र में उनकी भाषा, उनकी संस्कृति और उनकी परंपराओं को पर्याप्त सम्मान नहीं दिया जाता। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी इस संवेदनशीलता को सीधे संबोधित करती है। यह मनोवैज्ञानिक रूप से एक बड़े वर्ग को आश्वस्त करती है कि केंद्र सरकार और एनडीए तमिल समाज के योगदान और पहचान को सर्वोच्च पदों पर जगह दे रहे हैं। भारत की राजनीति में अब विकास और अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। दक्षिण भारत आर्थिक रूप से भारत का सबसे सशक्त क्षेत्र माना जाता है। तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल की अर्थव्यवस्थाएँ देश की जीडीपी में महत्त्वपूर्ण योगदान करती हैं। यहाँ उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और व्यापार का बड़ा नेटवर्क है। ऐसे में दक्षिण भारत को राष्ट्रीय राजनीति में आर्थिक दृष्टि से और अधिक शामिल करना भाजपा के लिए आवश्यक है। सी.पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चयन आर्थिक दृष्टि से यह संदेश देता है कि केंद्र अब दक्षिण भारत को आर्थिक इंजन के रूप में भी मान्यता दे रहा है। यह कदम व्यापारिक समुदाय और औद्योगिक वर्ग के लिए भी सकारात्मक संकेत है। जब एक दक्षिण भारतीय नेता इस स्तर पर पहुँचते हैं, तो इससे यह विश्वास मजबूत होता है कि राष्ट्रीय नीतियों में दक्षिण भारत की आर्थिक चिंताओं और प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा।

भारत की राजनीति का सबसे बड़ा समीकरण क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जैसे पद अक्सर क्षेत्रीय संतुलन को साधने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। भाजपा ने पहले राष्ट्रपति पद पर आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को बैठाकर झारखंड और पूर्वी भारत के क्षेत्रीय संतुलन को साधा। अब उपराष्ट्रपति पद पर दक्षिण भारत को प्रतिनिधित्व देकर भाजपा एक बड़े क्षेत्रीय संतुलन की ओर बढ़ी है।

तमिलनाडु राजनीतिक रूप से हमेशा से ही केंद्र सरकारों के लिए चुनौती रहा है। वहाँ के द्रविड़ दल क्षेत्रीय अस्मिता को लेकर राजनीति करते हैं और केंद्र के खिलाफ भावनाओं को भड़काते हैं। ऐसे में यदि कोई तमिल चेहरा देश के उपराष्ट्रपति पद पर बैठता है, तो यह क्षेत्रीय अस्मिता को सकारात्मक दिशा देता है। यह संदेश जाता है कि केंद्र और तमिल समाज के बीच दूरी घट रही है। इससे भाजपा को क्षेत्रीय स्तर पर स्वीकृति मिलने का रास्ता आसान होगा।

यह उम्मीदवारी आगामी चुनावों की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। 2024 के बाद यदि भाजपा सत्ता में आती है तो उसका अगला लक्ष्य 2029 और उससे आगे का राजनीतिक परिदृश्य होगा। भाजपा का उद्देश्य यह है कि वह कांग्रेस जैसी एक अखिल भारतीय पार्टी बने, जिसकी पैठ हर क्षेत्र में हो। इस दिशा में दक्षिण भारत की पकड़ बनाना अनिवार्य है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी इस लंबी रणनीति का हिस्सा है।

इसके अतिरिक्त यह कदम विपक्ष को मनोवैज्ञानिक और वैचारिक चुनौती भी देता है। जब विपक्ष भाजपा को केवल हिंदी पट्टी की पार्टी कहकर हमला करता है तो राधाकृष्णन जैसे उम्मीदवार उस आरोप को खारिज कर देते हैं। यह विपक्ष की रणनीति को कमजोर करने का तरीका है। भारत का संघीय ढाँचा तभी संतुलित रहता है जब हर क्षेत्र को यह महसूस हो कि उसे बराबर का सम्मान मिल रहा है। उपराष्ट्रपति पद पर दक्षिण भारत के नेता का बैठना संघीय ढाँचे को और संतुलित करता है। यह संविधान की उस भावना को जीवंत करता है, जिसमें भारत की विविधता को समान रूप से प्रतिनिधित्व दिया जाए। सी.पी. राधाकृष्णन की उम्मीदवारी केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि बहुस्तरीय विमर्श का हिस्सा है। सामाजिक रूप से यह दक्षिण भारतीय समाज को सम्मान देता है, मनोवैज्ञानिक रूप से दक्षिण भारत की संवेदनशीलता को संबोधित करता है, आर्थिक रूप से यह क्षेत्र के योगदान को मान्यता देता है और क्षेत्रीय रूप से संघीय ढाँचे में संतुलन स्थापित करता है। दीर्घकालीन राजनीति के स्तर पर यह भाजपा की अखिल भारतीय रणनीति की ओर उठाया गया बड़ा कदम है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बढ़ता अमेरिकी आतंक और भारत

प्रो. महेश चंद गुप्ता

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ – यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा। ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे?कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है। मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयाँ, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं।लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमरीका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है। वह आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। भारत का पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है।उद्योग जगत भी इस दबाव को एक अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गौरतलब है कि गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट में अनुमान है कि 2075 तक भारत की जीडीपी 52.5 ट्रिलियन डॉलर होगी, जो चीन के 57 ट्रिलियन डॉलर से कम लेकिन अमेरिका के 51.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगी। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है।मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है।धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है। इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमरीका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य मे नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है। पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एसीओ) समिटम में शामिल होंगे। मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत मे जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमरीका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है। आने वाले समय में अपने हितों की रक्षा करते हुए दुनिया में अपनी शर्तों पर आगे बढ़ना ही भारत की असली ताकत होगी ।

धार्मिक स्थलों में हो रही भगदड़ का आखिर जिम्मेदार कौन ?

अशोक भाटिया

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़-भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त, तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटें हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है?ऐसी घटनाएँ देश भर में धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक समारोहों में घातक भगदड़ की श्रृंखला में नवीनतम है।मंदिरों, रेलवे स्टेशनों और महाकुंभ जैसे बड़े स्थानों पर हुई त्रासदियों में इस साल अब तक 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

गौरतलब है कि हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में सावन के पवित्र अवसर पर घटी भगदड़ की घटना ने एक बार फिर हमारी व्यवस्थागत असफलताओं और भीड़ प्रबंधन की कमजोरी को उजागर कर दिया है। अफवाहों से उपजी यह त्रासदी महज एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि वर्षों से चली आ रही लापरवाहियों और अनदेखियों का परिणाम है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी धार्मिक स्थल पर भीड़ बेकाबू हुई हो और निर्दोष श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी हो। हर बार ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासनिक हलचल तो होती है, परंतु समय के साथ सबक भुला दिए जाते हैं और वही चूक दोहराई जाती है।धार्मिक आयोजन, विशेष अवसरों और मेलों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं। भीड़ का यह स्वाभाविक संकेंद्रण प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। क्राउड मैनेजमेंट या भीड़ नियंत्रण कोई नया मुद्दा नहीं है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां आस्था के नाम पर लोगों का एक अपार जनसैलाब स्वतःस्फूर्त रूप से उमड़ता है, वहां इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तविकता यह है कि अधिकतर धार्मिक आयोजनों में भीड़ का कोई सटीक पूर्वानुमान नहीं लगाया जाता। लोग कितनी संख्या में आएंगे, कब आएंगे, किस मार्ग से प्रवेश करेंगे और किस दिशा से बाहर निकलेंगे, यह सब अक्सर नियोजन के अभाव में अधर में रहता है। ऐसे में, किसी भी छोटी-सी अफवाह, धक्का-मुक्की या अप्रत्याशित स्थिति से भगदड़ जैसी त्रासदियां जन्म लेती हैं। पिछले एक वर्ष के भीतर ही कई बड़े हादसे यह सिद्ध कर चुके हैं कि हमारी प्रशासनिक तैयारी, तकनीकी व्यवस्था और जन-जागरूकता गंभीर रूप से अपर्याप्त हैं। जुलाई 2024 में हाथरस में एक विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान आयोजक भीड़ का अनुमान नहीं लगा पाए। अफरा-तफरी मची और 121 लोगों की मौत हो गई।

नेपाल-चीन संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सागरमाथा फ्रेंडशिप' 6 से 16 सितंबर तक काठमांडू में

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का पांचवां संस्करण सितंबर के पहले सप्ताह से नेपाल में होने वाला है। 'सागरमाथा फ्रेंडशिप' नामक यह अभ्यास आतंकवाद विरोधी अभियानों, युद्ध रणनीति और आपदा प्रबंधन पर केंद्रित होगा। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल राजाराम बस्नेत ने बताया कि नेपाल और चीन के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 6 सितंबर से शुरू होगा और 16 सितंबर तक चलेगा। इस संयुक्त अभ्यास का चौथा संस्करण पिछले साल चीन के सिचुआन प्रांत के पास चोंगकिंग में हुआ था। इस बार दोनों सेनाओं के अधिकारी अभ्यास के तौर-तरीकों, प्रतिभागियों की संख्या और पर्यवेक्षकों को अंतिम रूप देने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मनोज कुमार आचार्य ने संयुक्त अभ्यास को एक नियमित सैन्य सहयोग कार्यक्रम का हिस्सा बताया। आचार्य ने कहा कि नेपाल नियमित रूप से भारत, अमेरिका और चीन के साथ इस तरह के अभ्यास आयोजित करता है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से क्षमता बढ़ाने और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए यह सैन्य अभ्यास होने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के सचिव ने इस संयुक्त सैन्य अभ्यास में किसी विशेष देश के लक्षित नहीं होने की बात स्पष्ट की है।

रूस में सेना के संयंत्र में विस्फोट, चार सैनिकों समेत 11 की मौत, 130 घायल

मॉस्को। रूस में सेना के एक बारूद संयंत्र में हुए विस्फोट में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक घायल हो गए। मृतकों में रूस के चार सैनिक भी शामिल हैं। आपातकालीन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट मॉस्को के दक्षिण-पूर्व में रियाजान क्षेत्र में स्थित एक संयंत्र में हुआ। रूस के अखबार द मास्को टाइम्स और यूक्रेन के डिजिटल मीडिया 'यूनाइडेट 24 मीडिया' ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती के हवाले खबर दी है कि यह इलास्टिक सिंथेटिक फाइबर संयंत्र है। इसके बारूद के ढेर में अचानक आग लग जाने से कई विस्फोट हुए। आपातकालीन मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर संयंत्र के मलबे और इमारत को हुए भारी नुकसान की तस्वीरें अपलोड करते हुए घोषणा की, दुर्भाग्य से 11 लोग मारे गए। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि इस विस्फोट में 130 अन्य लोग घायल हो गए। रूसी आपातकालीन अधिकारियों के अनुसार, घटना की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि रियाजान शहर से 65 किलोमीटर (40 मील) दक्षिण-पूर्व और मॉस्को से 250 किलोमीटर (155 मील) दक्षिण-पूर्व में स्थित लेस्नोय गांव में लगी आग की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। रियाजान क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने एक दिन के शोक की घोषणा की है।

कुवैत में जहरीली शराब पीने से 16 नेपाली नागरिकों की मौत

काठमांडू। कुवैत में जहरीली शराब पीने के कारण मरने वाले नेपाली नागरिकों की संख्या 16 पहुंच गई है। कुवैत स्थित नेपाली दूतावास ने कहा है कि जहरीली शराब पीने के बाद लगभग 35 नेपाली नागरिकों को कुवैत के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दूतावास ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अस्पताल में भर्ती कुछ लोगों की हालत गंभीर है और कुछ की हालत सामान्य है। बयान में कहा गया है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद नेपाली मरीजों की स्थिति जानने के लिए विभिन्न अस्पतालों का दौरा किया गया। दूतावास ने कहा कि वह इस घटना के संबंध में संबंधित अस्पताल और कुवैती स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर रहा है ताकि अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों के इलाज की व्यवस्था की जा सके। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि मेथनॉल अल्कोहल के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है। मंत्रालय के अनुसार, 160 से ज़्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। कुवैत में नेपाली पत्रकार महासंघ की विदेश शाखा के अध्यक्ष एकराज मल्ला ने बताया कि अबतक मारे गए 23 लोगों में से 16 नेपाली नागरिक हैं और बाकी भारतीय नागरिक हैं।

रूस के साथ चल रहे साइबर युद्ध के बीच पोलैंड ने शहर की जल प्रणाली पर हमले को किया नाकाम

वारसॉ। पोलैंड के उप प्रधानमंत्री क्रिजटोफ गॉवकोव्स्की ने खुलासा किया कि देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े शहर की पानी और सीवेज प्रणाली पर हुए साइबर हमले को नाकाम कर दिया। यह हमला 13 अगस्त को हुआ था और अगर समय पर रोका नहीं जाता, तो शहर को पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ सकता था। गॉवकोव्स्की, जो डिजिटल मामलों के मंत्री भी हैं, ने बताया कि हमले की शुरुआत होते ही सुरक्षा सेवाओं ने सिस्टम को बंद कर नुकसान को रोक दिया। उन्होंने शहर का नाम उजागर करने से इनकार किया ताकि लोगों में घबराहट न फैले। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर हमलावरों का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया पोस्ट में रूसी शत्रुता का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'रूसी विमान वारसॉ में नहीं आएंगे, न ही टैंक घुसेंगे – उनकी डिजिटल छाया आएगी।' उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे हमलों का पहला चरण पानी, गैस और बिजली की आपूर्ति काटना, संचार ठप करना या लॉजिस्टिक्स को रोकना हो सकता है।

पाकिस्तान में बाढ़ का कहर : खैबर पख्तूनख्वा में फ्लैश फ्लड से 300 से ज्यादा लोगों की मौत

एजेंसी

पाकिस्तान । खैबर पख्तूनख्वा में मानसूनी बारिश कहर बन कर बरसी है। महज 48 घंटे में अचानक आई बाढ़ में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक मरने वालों की संख्या 307 है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के मुताबिक शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा में मरने वालों की संख्या 307 हो गई। इसमें गिलगित-बाल्टिस्तान में करीब 12 और पीओके में 9 लोगों की जान चली गई है। खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को हुई भारी बारिश विनाशकारी रही। कई जिलों में भारी बारिश और बादल फटने की वजह से अचानक आई बाढ़ में एक ही दिन में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में प्रांतीय सरकारी हेलीकॉप्टर के पांच चालक दल के सदस्य भी शामिल थे। हेलीकॉप्टर

राहत और बचाव कार्य के दौरान मोहमंद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डॉन (पाकिस्तानी मीडिया) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 48 घंटों में 184 लोगों की जान गई है और बुनेर सबसे प्रभावित जिला रहा। शांगला में 36, मनसेहरा में 23, स्वात में 22, बाजौर में 21, बट्टाग्राम में 15, निचले दीर में पांच और एबटाबाद में एक बच्चे के डूबने की खबर है। बाढ़ के कारण 11 घर नष्ट हुए हैं जबकि 63 क्षतिग्रस्त हुए हैं। स्वात और शांगला में सरकारी स्कूल प्रभावित हुए हैं। बुनेर के डीसी काशिफ कयूम खान ने भी डॉन से बातचीत में कहा कि चगरजई तहसील में 30 लोग लापता हैं, जबकि 100 से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं। बचाव दल का तलाशी अभियान जारी है। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने बुनेर, बाजौर, स्वात, शांगला, मनसेहरा और बट्टाग्राम जैसे गंभीर रूप से प्रभावित पर्वतीय जिलों को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया है। पाकिस्तान के प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के मुताबिक लगभग 2,000 बचावकर्मी मलबे से शव निकालने और नौ प्रभावित जिलों में राहत अभियान चलाने में लगे हुए हैं। भारी बारिश, कई इलाकों में भूस्खलन और सड़कें बह जाने की वजह से सहायता पहुंचाने में, खासकर भारी मशीनरी और एम्बुलेंस पहुंचाने में मुश्किल हो रही है।

सीमा मुद्दों पर बातचीत के लिए भारत जाएंगे चीन के विदेश मंत्री वान्ग यी

एजेंसी

बीजिंग। चीन-भारत सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच 24वें दौर की वार्ता के लिए चीन के विदेश मंत्री और विशेष प्रतिनिधि वांग यी 18 से 20 अगस्त तक भारत के दौरे पर जाएंगे। इस संबंध में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि यह दौरा भारतीय पक्ष के निमंत्रण पर हो रहा है। वांग यी, जो कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं, सीमा मुद्दे पर भारत के विशेष प्रतिनिधि के साथ विस्तृत चर्चा करेंगे। यह वार्ता दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली और सीमा क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सीमा वार्ता की यह शृंखला दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में एक निरंतर प्रयास है।

पुतिन ने कहा, 'यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए', लेकिन केवल तभी जब रूस की चिंताएं पूरी हों

एजेंसी

एंकोरेज (अलास्का) । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस बात पर सहमत हैं कि यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसके साथ-साथ रूस की सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी चिंताओं का समाधान होना जरूरी है। अलास्का के एंकोरेज में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने कहा, ÷मैं राष्ट्रपति ट्रंप से सहमत हूं कि यूक्रेन की सुरक्षा जरूरी है और हम इस पर काम करने को तैयार हैं।÷ पुतिन ने उम्मीद जताई कि ट्रंप के साथ हुई बातचीत से यूक्रेन में शांति का रास्ता खुलेगा। पुतिन ने कहा कि युद्ध तभी खत्म हो सकता है जब इसके मूल कारणों को दूर किया जाए। उनका कहना था कि यूक्रेन का मामला सीधे-सीधे रूस की सुरक्षा से जुड़ा है और यूरोप व दुनिया में सुरक्षा का संतुलन बहाल करने के लिए रूस की चिंताओं पर ध्यान देना होगा। हालांकि पुतिन ने यह साफ नहीं किया कि मूल कारणों से उनका क्या आशय है। पहले भी उन्होंने इसे ऐसे मुद्दों से जोड़ा है जिन्हें कीव और उसके सहयोगी मानने को तैयार नहीं हुए। दूसरी ओर, ट्रंप ने बैठक के बाद कहा कि वह नाटो नेताओं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों को बातचीत की जानकारी देंगे। बैठक करीब तीन घंटे चली, जिसके बाद दोनों नेताओं ने प्रगति का दावा किया, लेकिन न तो युद्ध विराम की घोषणा की और न ही किसी मुद्दे पर विस्तार से बताया।

पुतिन ने बातचीत को सकारात्मक और रचनात्मक बताया और ट्रंप का धन्यवाद किया कि बैठक मैत्रीपूर्ण और भरोसेमंद माहौल में हुई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने नतीजे हासिल करने की गंभीरता दिखाई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पुतिन ने अलास्का में अपनी बैठक में विश्वास के माहौल के लिए ट्रंप को धन्यवाद भी दिया। रूसी समाचार एजेंसीकी रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने ट्रंप के साथ बैठक के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं ट्रंप को साथ मिलकर काम करने और बातचीत में एक दोस्ताना और भरोसेमंद माहौल बनाए रखने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मुख्य बात यह है कि दोनों पक्ष परिणाम हासिल करने के लिए दृढ़ थे। पुतिन ने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बातचीत को सकारात्मक और रचनात्मक बताया। पुतिन ने यह भी कहा कि अलास्का में हुए समझौते भविष्य में यूक्रेन समस्या को सुलझाने और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने की दिशा में अहम साबित हो सकते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में गिरावट आई है, लेकिन ट्रंप से उनकी बातचीत आपसी सम्मान और भरोसे के साथ हुई।

इस्लामाबाद में 32 दिन से बलोचों का धरना जारी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत से लापता लोगों के परिजनों और बलोच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के सदस्यों का इस्लामाबाद में धरना 32वें दिन में प्रवेश कर गया। बलोचिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों और बीवाईसी नेताओं को हिरासत में लेने की घटनाओं को दुनिया के सामने उजागर करने के मकसद से यह धरना आयोजित किया गया है। प्रदर्शनकारी जबरन गुमशुदगी को रोकने, हिरासत में लिए गए बलोच नेताओं को तुरंत अदालत में पेश करने और नागरिक स्वतंत्रता के सम्मान की मांग कर रहे हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, इस्लामाबाद प्रेस क्लब के बाहर शुक्रवार को बीवाईसी नेतृत्व के तत्वावधान में 'गैरकानूनी हिरासत और जबरन गायब किए गए लोगों के परिवारों की शिकायतें' शीर्षक से एक सेमिनार का आयोजन होना था। धरने पर बैठे लोगों का दावा है कि पुलिस ने सेमिनार से कुछ घंटे पहले ही धावा बोल दिया। महिलाओं और बच्चों के साथ धक्कामुक्की की और उन पर हमला करके भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इन लोगों ने बताया कि पुलिस ने प्रेस क्लब परिसर में प्रवेश रोकने के लिए अवरोधक लगाए और महिला प्रदर्शनकारियों के

प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया। हिरासत में लिए गए बीवाईसी नेता महरंग बलूच की बहन नादिया बलूच ने पत्रकारों से कहा, हम यहाँ अपना विरोध दर्ज कराने आए थे, लेकिन हमें अपना स्थान बदलने के लिए मजबूर किया गया। 14 अगस्त को हमारे लिए सड़कें खुली थीं, लेकिन 15 अगस्त को प्रेस क्लब जाने वाले सभी रास्ते फिर से बंद कर दिए गए। न केवल हमें रोका गया, बल्कि महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई। प्रतिबंधों के बावजूद सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में मानवाधिकार कार्यकर्ता, वकील, छात्र और लापता लोगों के परिवार के सदस्य शामिल हुए। वक्ताओं ने बलोचिस्तान में दमन, जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हिरासत और मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दों पर बात की। वक्ताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक अधिकार है और इसे दबाने के लिए बल प्रयोग गैरकानूनी और मानवीय गरिमा का अपमान है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति का ऐलान, 18 अगस्त को करेंगे ट्रंप से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ऐलान किया है कि वो 18 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से वाशिंगटन डीसी में मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी ये कोशिश यूक्रेन में शांति व्यवस्था कायम करने के इरादे से है। राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का के एंकोरेज में हुई बैठक के बाद इसका ऐलान किया गया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक बार फिर राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी हालिया बातचीत का विवरण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए जाहिर किया। जेलेंस्की ने लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंबी और सार्थक बातचीत हुई। यूरोपीय नेताओं के शामिल होने से पहले हमने एक-दूसरे से बातचीत की। यह बातचीत डेढ़ घंटे से ज़्यादा समय तक चली, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मेरी लगभग एक घंटे की द्विपक्षीय बातचीत शामिल थी। यूक्रेन

शांति स्थापित करने के लिए पूरी ताकत से काम करने की अपनी तत्परता की पुष्टि करता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे रूसी नेता के साथ अपनी बैठक और उनकी चर्चा के मुख्य बिंदुओं के बारे में बताया। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प के त्रिपक्षीय वार्ता के प्रस्ताव का भी समर्थन किया। उन्होंने आगे कहा, हम यूक्रेन, अमेरिका और रूस के बीच त्रिपक्षीय बैठक के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। यूक्रेन इस बात पर जोर देता है कि प्रमुख मुद्दों पर नेताओं के स्तर पर चर्चा की जा सकती है, और इसके लिए त्रिपक्षीय प्रारूप उपयुक्त है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वाशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी आगामी बैठक की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा, मैं वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रपति ट्रंप से मिलूंगा और युद्ध समाप्त करने संबंधित सभी विवरणों पर चर्चा करूंगा। मैं इस निमंत्रण के लिए आभारी हूं। यह अच्छी बात है कि अमेरिका के साथ मिलकर विश्वसनीय सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करने के लिए यूरोप हर स्तर पर शामिल किया जा रहा है। हमने यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अमेरिकी पक्ष की भागीदारी के सकारात्मक संकेतों पर भी चर्चा की। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जो हमारी मदद कर रहे हैं। इस बीच, व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अलास्का में राष्ट्रपति पुतिन के साथ शिखर सम्मेलन के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की।

नेपाल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

एजेंसी

काठमांडू। भारत का 79वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को काठमांडू में भारतीय दूतावास, वीरगंज स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास एवं पोखरा तथा धरान में रहे भारतीय सेना के पेंशन कैंप में विभिन्न कार्यक्रम के साथ मनाया गया। काठमांडू स्थित भारतीय राजदूतावास में इस कार्यक्रम की शुरुआत नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके बाद राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम दिए गए संदेश को पढ़ा गया। इस अवसर पर भारतीय राजदूत ने भारतीय सशस्त्र बलों के मृत कर्मियों की विधवाओं और परिजनों को सम्मानित किया और उन्हें 6.4 करोड़ के कुल मूल्य के चेक हस्तांतरित किए गए। इसके अलावा दूतावास ने नेपाल के 7 प्रांतों और 21 जिलों में फैले 39 शैक्षणिक संस्थानों और पुस्तकालयों के लिए पुस्तक अनुदान की भी घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों के लिए शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच को बढ़ाना है। काठमांडू में भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के समारोहों में नेपाल में भारतीय समुदाय के सदस्यों, भारत के मित्रों के साथ-साथ दूतावास के अधिकारियों और उनके परिवारों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इस अवसर पर दूतावास के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र और केंद्रीय विद्यालय, काठमांडू के छात्रों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक प्रदर्शन भी किए गए।

पुतिन के साथ समझौते की दिशा में 'शानदार प्रगति', जेलेंस्की और नाटो नेताओं से करेंगे बात : ट्रंप

एजेंसी

एंकोरेज (अलास्का) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी मुलाकात में 'कुछ प्रगति' हुई है और उन्होंने 'काफी अच्छी तरक्की' की है। हालांकि, ट्रंप ने यह भी साफ़ किया कि 'जब तक कोई समझौता हो नहीं जाता, तब तक उसे समझौता नहीं माना जा सकता।'

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अलास्का के एंकोरेज में हुई शिखर वार्ता के बाद ट्रंप ने कहा कि वे जल्द ही नाटो और अन्य जरूरी लोगों से बात करेंगे। वे यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को भी अलास्का के शुक्रवार के सम्मेलन के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा, 'निर्णय उनके ऊपर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हमारी बैठक बहुत अच्छी रही और

कई बिंदुओं पर सहमति बनी। हम अभी अंतिम समझौते तक नहीं पहुंचे, लेकिन इसके लिए अच्छा मौका है। ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन को उन बातों से 'सहमत' होना होगा जिन पर विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके प्रशासन के अन्य लोगों ने शुक्रवार को पुतिन के साथ चर्चा की थी। हालांकि, उन्होंने किसी समझौते के ढांचे के बारे में विस्तार से नहीं बताया ट्रंप और पुतिन ने अपने बयानों के बाद कोई सवाल नहीं लिया।

पुतिन ने पहले बोलना शुरू किया और करीब आठ मिनट तक बोले। ट्रंप, जो आमतौर पर लंबी और खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए जाने जाते हैं, केवल चार मिनट बोले। ट्रंप ने कहा, मैं अब कुछ फोन कॉल करूंगा और उन्हें बताऊंगा कि क्या हुआ। पुतिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हाल के वर्षों में अमेरिका-रूस के संबंध खराब हुए हैं। आमतौर पर जब अमेरिकी राष्ट्रपति किसी विदेशी नेता की मेजबानी करते हैं, तो पहले अमेरिकी नेता बोलते हैं, फिर मेहमान। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए युद्ध के मुख्य कारणों को दूर करना जरूरी है। उन्होंने यूक्रेनी और यूरोपीय नेताओं से उभरती प्रगति में दखल न देने को कहा।

बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने बीएलए और मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए अमेरिका की निंदा की

एजेंसी

क्वेटा (बलूचिस्तान) पाकिस्तान। बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स (बीआरजी) ने बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसकी विशेष शाखा मजीद ब्रिगेड को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) घोषित करने के अमेरिका के फैसले की निंदा की। बीआरजी ने कहा कि यह कदम पाकिस्तानी सरकार के बयान को दर्शाता है और बलूचिस्तान की वास्तविकताओं को नजरअंदाज करता है द बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले सोमवार को बीएलए और उसकी विशेष इकाई मजीद ब्रिगेड को अपनी एफटीओ सूची में शामिल किया है। इस सूची के लागू होने से इन समूहों को भौतिक सहायता प्रदान करना अमेरिका में एक संघीय अपराध बन गया है।

अमेरिकी अधिकार क्षेत्र में उनकी संपत्तियों को अवरुद्ध कर दिया गया है और सदस्यों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। पाकिस्तान ने मंगलवार को इस कदम का स्वागत भी किया।

बीआरजी के प्रवक्ता दोस्तैन बलूच ने कहा कि अमेरिका जैसी महाशक्ति को ऐसे फैसले लेने से पहले जमीनी हकीकत का आकलन करना चाहिए। उन्होंने मजीद ब्रिगेड को बलूचिस्तान की आजादी के व्यापक आंदोलन का हिस्सा बताया। दोस्तैन बलूच ने कहा कि बलूच राष्ट्र मजीद ब्रिगेड को अपना रक्षक और उसके लड़ाकों को 1948 से पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे का विरोध करने वाला नायक मानता है। उन्होंने कहा कि बलूचों का अपने संसाधनों पर पूरा अधिकार है। पाकिस्तान उनका दोहन करता है औरविदेशी ताकतों को बेच देता है।उन्होंने अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूच स्वतंत्रता आंदोलन को आतंकवाद से जोड़ने से बचने की सलाह दी है। बीआरजी प्रवक्ता ने कहा कि बलूच किसी भी विदेशी देश के खिलाफ नहीं हैं। वह अपने संसाधनों को लूटने में पाकिस्तान के साथ शामिल होने वाले किसी भी शक्ति का दृढ़ता से विरोध करेंगे। अमेरिका ने बीएलए को आतंकवादी संगठन घोषित करने में पाकिस्तानी के दुष्प्रचार पर विश्वास किया है।

प्रधानमंत्री ओली 16 सितंबर से भारत दौरे पर, पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता बोधगया में होगी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली 16 सितंबर से भारत दौरे पर जाएंगे। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात दिल्ली के हैदराबाद हाउस में नहीं होगी, बल्कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता बिहार के बोधगया में होगी। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री 17 अगस्त को दो दिवसीय नेपाल यात्रा पर भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से काठमांडू पहुंचेंगे। वह प्रधानमंत्री ओली को भारत भ्रमण के लिए औपचारिक निमंत्रण पत्र सौंपेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री ओली 16 सितंबर से भारत भ्रमण पर जाएंगे। आम तौर पर भारत भ्रमण पर पहुंचने वाले विदेशी मेहमानों के साथ नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता होने की परंपरा है। खास मौकों पर भी प्रधानमंत्री मोदी देश के अलग-अलग स्थानों पर भी इस तरह की बैठकें करते रहे हैं। इस बार दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच मुलाकात दिल्ली के हैदराबाद हाउस में नहीं होगी, बल्कि बिहार के बोधगया में द्विपक्षीय वार्ता होना तय हुआ है। नेपाल और भारत के प्रधानमंत्री के बीच बोधगया में द्विपक्षीय वार्ता के साथ ही कई महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

ट्रंप, पुतिन ने यूक्रेन पर तीन घंटे की बातचीत के बाद बड़ी सफलता की घोषणा की

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अलास्का के एंकोरेज में तीन घंटे की वार्ता के बाद बड़ी सफलता की घोषणा की। ट्रंप ने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम जिस समझौते पर पहुंचे हैं, वह हमें उस लक्ष्य (समाधान खोजने) के और करीब लाने में मदद करेगा और यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुझे लगता है कि हमारी बैठक बहुत ही उपयोगी रही। ऐसे कई मुद्दे थे जिन पर हम (राष्ट्रपति पुतिन और मैं) सहमत हुए।

यह समझौता भारत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यूएस ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क की घोषणा की है। हालांकि, अभी किसी भी नेता ने समझौते का कोई विवरण नहीं दिया और न ही यह बताया कि युद्धविराम होगा या नहीं।

ट्रंप ने रहस्यमय ढंग से कहा, कुछ बड़े समझौते ऐसे हैं जिन तक हम अभी तक नहीं पहुंच पाए हैं, लेकिन हमने कुछ प्रगति की है। एक समझौता शायद सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन हमारे पास उस तक पहुंचने की बहुत अच्छी संभावना है। हम वहां तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन हमारे पास वहां पहुंचने की बहुत अच्छी संभावना है। उन्होंने कहा, मैं नाटो और उन सभी लोगों को फोन करूंगा जिन्हें मैं उपयुक्त समझता हूं, और निश्चित रूप से, राष्ट्रपति (वोलोदिमिर) जेलेंस्की को फोन करके उन्हें आज की बैठक के बारे में बताऊंगा। शिखर सम्मेलन में जाते हुए, ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन की ओर से बातचीत नहीं करेंगे, और समझौता करना जेलेंस्की पर निर्भर है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इसलिए जब तक समझौता नहीं हो जाता, तब तक कोई समझौता नहीं है। दोनों राष्ट्रपतियों ने पत्रकारों के सवालों के जवाब नहीं दिए। पुतिन ने कहा, हमें टकराव से बातचीत की ओर बढ़ने के लिए स्थिति में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा, इन परिस्थितियों में यह कितना भी अजीब लगे, हमारी (रूस और यूक्रेन की) जड़ें एक ही हैं और जो कुछ भी हो रहा है वह हमारे लिए एक त्रासदी और एक भयानक घाव है। इसलिए, देश ईमानदारी से इसे समाप्त करने में रुचि रखता है। शिखर सम्मेलन की शुरुआत में पहले से तय तीन चरणों को बदलकर, वे सीधे दूसरे चरण में चले गए। इस चरण में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो, और पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूडी उषाकोवा, रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव, और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हिस्सा लिया।ऐसा नहीं लग रहा था कि अधिकारियों के साथ तीसरे चरण का लंच हो रहा था। ट्रंप ने पुतिन का रेड कार्पेट पर स्वागत किया और लिमोजीन में बैठते ही उन्होंने दोस्ताना अंदाज में बातचीत जारी रखी।

रुपये में दो पैसे की मामूली मजबूती

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में लौटी तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के फिर लिवाल होने से बीते सप्ताह रुपये में भी साप्ताहिक तेजी दर्ज की गई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में स्वतंत्रता दिवस के अवकाश के कारण गत सप्ताह चार दिन ही कारोबार हुआ। इस दौरान भारतीय मुद्रा उतार-चढ़ाव से गुजरती हुई दो पैसे की मजबूती के साथ 87.61 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई। इससे पहले के सप्ताह में रुपया 0.49 प्रतिशत टूटकर 87.59 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। शेयरों बाजारों की साप्ताहिक तेजी से रुपये को समर्थन मिला। गत सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में करीब एक प्रतिशत की बढ़त देखी गयी। इसके अलावा बैंकों ने भी डॉलर की बिकवाली की जिससे रुपये को समर्थन मिला।

अंडमान के द्वीपों पर 'इको-टूरिज्म' रिसॉर्ट बनाने के लिए प्रमुख आतिथ्य कंपनियों ने दिखाई रुचि

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टाटा समूह की आईएचसीएल और हयात होटल समेत कई प्रमुख होटल कंपनियों ने चार स्थानों पर 'इको-टूरिज़्म' रिसॉर्ट विकसित करने में रुचि दिखाई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक ये रिसॉर्ट नील द्वीप, अवास द्वीप, लॉन्ग द्वीप और स्मिथ द्वीप पर बनाए जाएंगे। यह परियोजना सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित होगी। प्रशासन पोर्ट ब्लेयर स्थित मेगापोड रिसॉर्ट को भी नए स्वरूप में विकसित करने की योजना बना रहा है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम लिमिटेड (एनआईआईडीसीओ) ने 28 जुलाई को निविदाएं आमंत्रित की थीं। बोली से पहले 14 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित बैठक में द लीला, क्लब महिंद्रा, हयात, अंबुजा नेओटिया हॉस्पिटैलिटी, शैलेट होटल्स, जुनिपर होटल्स, द पार्क, पोलो होटल्स और जीवीके ग्रुप जैसी कंपनियों ने भाग लिया। एनआईआईडीसीओ की प्रबंध निदेशक चंचल यादव ने बताया कि बैठक में निवेशकों को सुझाव देने और सवाल पूछने का अवसर दिया गया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को प्रकृति-आधारित और टिकाऊ पर्यटन का वैश्विक गंतव्य बनाना है। सितंबर के पहले हफ्ते में निवेशकों को परियोजना स्थलों का दौरा कराया जाएगा।

किआ इंडिया ने कैरेन्स क्लैविस, कैरेन्स क्लैविस ईवी की चार महीने में 21,000 बुकिंग की

नयी दिल्ली। भारत में प्रीमियम गाड़ियां बनाने वाली किआ इंडिया ने हाल में पेश हुई कारों कैरेन्स क्लैविस और कैरेन्स क्लैविस ईवी की बुकिंग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पेशकश के सिर्फ चार महीनों के भीतर कंपनी के इन दोनों मॉडलों की कुल बुकिंग 21,000 से ज्यादा हो गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत में परिवारों के बीच किआ की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, क्योंकि उसकी गाड़ियां पेट्रोल-डीजल वाले मॉडलों के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल ईवी संस्करण में भी उपलब्ध है। किआ इंडिया के मुख्य बिक्री अधिकारी जूनसू चो ने कहा, 'हमें अपनी कैरेन्स क्लैविस और कैरेन्स क्लैविस ईवी मॉडलों को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से बहुत खुशी है। यह मजबूत मांग इस बात का सबूत है कि ग्राहक किआ पर कितना भरोसा करते हैं, और यह हमारे वाहनों में नवाचार, सुरक्षा और आराम लाने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हमें गर्व है कि हमारे पेट्रोल-डीजल और इलेक्ट्रिक, दोनों मॉडल भारतीय ग्राहकों को बहुत पसंद आ रहे हैं।'

बिहार में निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतीश ने 'विशेष आर्थिक पैकेज' की घोषणा की

पटना। बिहार में निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निवेशकों के लिए कई 'विशेष आर्थिक पैकेज' की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से सरकार के इस निर्णय की घोषणा की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर नीतीश कुमार ने पोस्ट किया, हमारी सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। सरकार राज्य में उद्योग स्थापित करने और स्वरोजगार अपनाने वालों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करके प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा, अब बिहार में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। बिहार में निजी क्षेत्रों को उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु सरकार ने विशेष आर्थिक पैकेज देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ये सभी सुविधाएं अगले छह महीनों के भीतर उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए उपलब्ध करा दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त, राज्य में उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों की महत्वपूर्ण सहायता के लिए कई अन्य प्रावधान भी किए गए हैं। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी। कुमार ने कहा, निवेशकों/उद्यमियों के लिए विशेष आर्थिक पैकेज में पूंजी अनुदान, ब्याज अनुदान और जीएसटी से संबंधित प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा। सभी जिलों में उद्योग लगाने के लिए भूमि की व्यवस्था की जाएगी और जो उद्योग अधिक रोजगार देंगे, उन्हें निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उद्योगों के लिए आवंटित भूमि से जुड़े विवादों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 में 'सात निश्चय-2' पहल के तहत राज्य सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरा किया था। अब सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का है।

ई30 के लिए पाँच साल में 5,100 करोड़ के निवेश की जरूरतः सियाम

एजेंसी

नई दिल्ली। जीवाश्म ईंधनों में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई20) का लक्ष्य हासिल करने के बाद भविष्य की दिशा पर जारी एक ह्वलिया रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2030 तक 30 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लिए 5,100 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश की जरूरत होगी।भारतीय वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा जारी एक संदर्भ पत्र में बताया गया है कि यदि केंद्र सरकार साल 2030 तक ई25 का लक्ष्य तय करती है तो कुल 2,102.6 करोड़ लीटर इथेनॉल की जरूरत होगी। इसमें 1,205.2 करोड़ लीटर इथेनॉल अनाज से और 897.4 करोड़ लीटर गन्ने से बने होने की संभावना है। यह क्षमता हासिल करने के लिए 3,840 करोड़ रुपये के पूँजी निवेश की आवश्यकता होगी। इसी प्रकार यदि सरकार ई30 का लक्ष्य तक करती है तो कुल 5,158 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी ताकि अनाज से 1,338.4 करोड़ लीटर और गन्ने से 996.5 करोड़ लीटर इथेनॉल बनाने की क्षमता हासिल की जा सके।भारत ने तेल आयात कम करने, ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और नवीकरणीय ईंधनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए साल 2003 में पाँच प्रतिशत के लक्ष्य के साथ देश के नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में इथेनॉल मिश्रण का कार्यक्रम शुरू किया था। इसकी शुरुआत धीमी रही और कार्यक्रम में शामिल राज्यों की संख्या बढ़ाये जाने के बावजूद वित्त वर्ष 2016-17 तक हम दो प्रतिशत तक ही पहुँच पाये थे। लेकिन सरकार की नीतियों के कारण 2025 में भारत ने 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। खासकर राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति में इथेनॉल बनाने के लिए अनाज के इस्तेमाल की अनुमति देने के बाद इथेनॉल की उपलब्धता बढ़ने से यह लक्ष्य हासिल करना संभव हो सका है। सियाम ने सुझाव दिया है कि आने वाले समय में इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य तय करने से पहले तीन जरूरी कारकों पर सरकार को ध्यान देना चाहिये। पहला कारक है फीड स्टॉक सिक्योरिटी यानी गन्ना या अनाज अथवा दूसरी फसलों की उपलब्धता जिससे इथेनॉल बनाया जा सके। दूसरा कारक है वाहन निर्माता कंपनियों का अपने इंजनों में बदलाव करने में सक्षम होना। तीसरा कारक है सरकार का समर्थन। संदर्भ पत्र में कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा से समझौता किये बिना इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार को गन्ने की खेती को तेजी से बढ़ावा देने चाहिये। साथ ही बचे हुये चावल भंडार का भी युक्तिसंगत इस्तेमाल करना चाहिये। इसमें बताया गया है कि यदि सरकार साल 2030 तक ई30 का लक्ष्य रखती है तो 335 लाख टन अनाज और 460 लाख टन गन्ने की जरूरत होगी। इससे खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और जमीन, पानी तथा उर्वरक जैसे संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। सियाम ने सरकार से ई85 दुपहिया वाहन खरीदने पर कम से कम 35 प्रतिशत छूट देने की माँग की है ताकि माइलेज में नुकसान के बावजूद ग्राहक उसकी तरफ आकर्षित हो सकें।

चावल-चीनी नरम, गेहूं महंगा, दालें सस्ती, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह गेहूँ के औसत भाव बढ़ गये जबकि चावल में गिरावट रही। गुड़ और चीनी के साथ दालों में भी नरमी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 17 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,785.57 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। वहीं, गेहूँ पाँच रुपये महँगा होकर 2,854.79 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत आठ रुपये उतर गयी और यह 3,309.36 रुपये प्रति क्विंटल हो गया गया। वनस्पति की औसत कीमत में 38 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक तेजी देखी गयी। पाम ऑयल भी 19 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। सप्ताह के दौरान सूरजमुखी तेल 23 रुपये और सोयो तेल 49 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सरसों तेल और मूँगफली तेल के दाम स्थिर रहे। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के औसत भाव टूट गये। दलहन बाजार में चना दाल औसतन 21 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मसूर दाल 20 रुपये और तुअर दाल

76 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल और दाल मूंग 43-43 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब 28 रुपये प्रति क्विंटल उतर गये। चीनी भी 16 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

विकसित राष्ट्र की बुनियाद कारोबार की स्वतंत्रता पर : अनिल अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। खनिज और धातु कारोबार जगत के दिग्गज उद्यमी और वेदांता लिमिटेड के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा है कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की बुनियाद देश में कारोबार की आजादी से हो कर ही निकलेगी। इसके लिए उन्होंने अनुकूल नीति पर बल दिया है।

उन्होंने एक बयान में रविवार को कहा , 'आर्थिक स्वतंत्रता सबसे महत्वपूर्ण कारक है जो यह तय करेगा कि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनेगा या नहीं।' भारत को 'उद्यमियों का देश' बताते हुए, उन्होंने ऐसी नीतियों और अवसरों का आग्रह किया जो नवप्रवर्तकों को अपनी ऊर्जा और दूरदर्शिता को देश के विकास में लगाने की स्वतंत्रता प्रदान करें। श्री अग्रवाल ने भारत के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदारी युक्त दोहन और रक्षा एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अपनी

क्षमता का दोहन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र देश को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

वेदांता प्रमुख ने भारत की संभावनाओं के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुये कहा '' सामूहिक दृढ़ संकल्प के साथ, भारत 2047 तक सबसे मजबूत और सबसे समृद्ध राष्ट्रों में से एक बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा।''

इसके लिए उन्होंने यह भी कहा कि भारत की प्रगति युवाओं के लिए शिक्षा की बाधाओं को दूर करने, महिलाओं के लिए वित्तीय स्वतंत्रता का विस्तार करने और राष्ट्र की नींव को मजबूत करने के लिए प्रत्येक बच्चे के लिए पोषण और मूल्य सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'इन शक्तियों का उपयोग कर, भारत न केवल आत्मनिर्भरता प्राप्त करेगा, बल्कि नवाचार और स्वस्थ विकास का एक वैश्विक केंद्र भी बनेगा।'

देश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 47 फीसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। । देश के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 47 फीसदी की तीव्र वृद्धि दर्ज हुई है। ये सालाना आधार पर बढ़कर 12.4 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंच गई।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 47 फीसदी बढ़कर 12.4 अरब यूएस डॉलर तक पहुंच गई है। गोयल ने बताया कि यह %मेक इन इंडिया% की एक सुखद सफलता की कहानी है, जिसके कारण वित?त वर्ष 2014-15 से शुरू हुए एक दशक में हमारे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में 31 अरब डॉलर से लेकर 133 अरब डॉलर तक की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई प्रयास

किए हैं। इसके परिणामस्वरूप 2014 में हमारे पास केवल 2 मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं, जो आज बढ़कर 300 से अधिक हो गई हैं। उन?होंने कहा कि एक मोबाइल आयातक से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल फोन निर्माता बनने तक का हमारा सबसे बड़ा सफर रहा है।

गोयल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र ने सौर मॉड्यूल, नेटवर्किंग उपकरण, चार्जर एडेप्टर और इलेक्ट्रॉनिक पुर्जों के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं, जो हमारे निर्यात को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

अमेरिकी टैरिफ पर मुख्यमंत्री स्टालिन ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर तमिलनाडु पर संयुक्त राज्य अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डाला है, जिसमें निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों में छंटनी का खतरा भी शामिल है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ को लेकर गंभीर प्रभावों पर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री से राज्य के औद्योगिक क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव और व्यापार बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने केंद्र सरकार से निर्यातकों का समर्थन करने के लिए एक विशेष वित्तीय राहत पैकेज प्रदान करने सहित तत्काल उपाय करने का आग्रह किया है। स्टालिन ने पत्र में लिखा, मैं आपके ध्यान में तमिलनाडु के

लिए चिंता का विषय लाना चाहता हूं, क्योंकि वर्तमान 25 फीसदी टैरिफ और इसके 50 फीसदी तक बढ़ने की संभावना के कारण इसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखा, कपड़ा, परिधान, मशीनरी, ऑटोमोबाइल, रत्न और आभूषण, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद और रसायन क्षेत्र इस टैक्स से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यह और भी चिंताजनक है कि ये सभी क्षेत्र श्रम-प्रधान उद्योग हैं और निर्यात में किसी भी मंदी से बड़े पैमाने पर नौकरियां कम होंगी। मुख्यमंत्री ने लिखा, वह प्रधानमंत्री का ध्यान तमिलनाडु के एक चिंताजनक मुद्दे की ओर खींचना चाहते हैं, जो मौजूदा टैरिफ वृद्धि के कारण गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वित?त वर्ष में भारत के कुल 433.6 अरब डॉलर के व्यापारिक निर्यात का 20 फीसदी अमेरिका को भेजा गया, जबकि तमिलनाडु के 52.1 अरब डॉलर के कुल माल का 31 फीसदी अमेरिका को निर्यात किया गया। उन्होंने कहा कि क्योंकि तमिलनाडु अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भर है, इसलिए टैरिफ का प्रभाव भारत के अन्य राज्यों की तुलना में तमिलनाडु पर अधिक पड़ेगा। इससे तमिलनाडु के विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा, जबकि अमेरिकी टैरिफ से विभिन्न क्षेत्रों में लाखों लोगों की आजीविका को खतरा पैदा हो गया है। स्टालिन ने प्रधानमंत्री से संबंधित मंत्रालयों और उद्योग हितधारकों के परामर्श से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

भारी बारिश से मुंबई हवाई अड्डे पर उड़ान सेवा प्रभावित

एजेंसी

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में शनिवार सुबह से ही भारी बारिश के कारण छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआई) पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। इसके मद्देनजर कई एयरलाइनों- इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा एयर ने यात्रियों को परामर्श जारी किए हैं।वहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पूरे दिन अलग-अलग जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर साझा की गयी एडवाइजरी में यात्रियों से आग्रह किया है कि वे शहर के कई हिस्सों में जलभराव के कारण सड़कों पर लगे अवरोधों और धीमी यातायात स्थिति को देखते हुए हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए पहले से योजना बनाएं और अतिरिक्त यात्रा समय को ध्यान में रखें। एयरलाइन ने कहा है कि घर से निकलने से पहले कृपया हमारी वेबसाइट या ऐप के ज़रिए अपनी उड़ान की स्थिति जांच लें। हमारी टीमें देरी को कम करने और हर कदम पर आपका साथ देने के लिए स्थिति पर कड़ी नजर रख रही हैं। साथ ही एयरलाइन ने व्यवधान के दौरान यात्रियों को सहायता का आश्वासन भी दिया है। आपके धैर्य के लिए धन्यवाद। हम हर कदम पर आपके साथ हैं। अकासा एयर ने एक्स पोस्ट में लिखा, मुंबई, गोवा और पुणे के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण, हमें हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़कों पर धीमी गति से चलने वाले यातायात और भीड़भाड़ की आशंका है। एक सहज यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि अपनी उड़ान के लिए समय पर एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त यात्रा समय की योजना बनाएं।

भारत-आसियान व्यापार समझौते के अगले दौर की समीक्षा बैठक अक्टूबर में

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा वार्ता का अगला दौर इस साल अक्टूबर में जकार्ता में होगा। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। वार्ता का दसवां दौर इसी महीने (10-14 अगस्त) यहां संपन्न हुआ। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त समिति ने एआईटीआईजीए (आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता) की जारी समीक्षा को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है ताकि इसकी प्रभावशीलता, सुगमता और व्यापार सुविधा क्षमताओं को बढ़ाया जा सके।

आसियान भारत का एक प्रमुख व्यापार भागीदार बना हुआ है। इसकी हिस्सेदारी भारत के वैश्विक व्यापार का लगभग 11 प्रतिशत है। बयान के

अनुसार, वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 123 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो दोनों पक्षों के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों को दर्शाता है और आने वाले वर्षों में सहयोग बढ़ाने के अवसर पैदा करता है। इसमें कहा गया है, ''अगली एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की बैठक छह-सात अक्टूबर 2025 को इंडोनेशिया के जकार्ता स्थित आसियान सचिवालय में होनी है और इसकी मेजबानी मलेशिया करेगा।'' एक अलग बयान में, मंत्रालय ने कहा कि व्यापार और निवेश पर भारत-सिंगापुर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजीटीआई) की चौथी बैठक 14 अगस्त को यहां आयोजित की गई थी। इस बैठक में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने, बेहतर समन्वय, लॉजिस्टिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार, नियामक ढांचों को सुव्यवस्थित करने और सीमा पार व्यापार को सुविधाजनक बनाने के तरीकों पर गौर किया गया। बैठक में सेमीकंडक्टर क्षेत्र और व्यापार के डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की गई और कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण में संभावित साझेदारियों की खोज की गई। सिंगापुर, आसियान के भीतर भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका वर्ष 2024-25 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 34.26 अरब डॉलर का होगा। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) स्रोत भी है।

सरकार ने निजी वाहनों के लिए 3,000 रुपये का फास्टैग पास लागू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नागरिकों के लिए 'जीवन सुगमता' बढ़ाने हेतु प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहित करने के वास्ते पूरे देश में 'फास्टैग वार्षिक पास' लागू कर दिया है। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि वार्षिक पास को राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इसमें कहा गया है, ''कार्यान्वयन के पहले दिन शाम 4:30 बजे तक, लगभग 1.2 लाख उपयोगकर्ताओं ने वार्षिक पास खरीदा और सक्रिय किया और टोल प्लाजा पर लगभग 1.24 लाख लेनदेन दर्ज किए गए।'' बयान में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करते हुए, फास्टैग वार्षिक पास एक वर्ष की वैधता के लिए 3,000 रुपये के एकमुश्त शुल्क भुगतान या देश भर में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के माध्यम से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता को समाप्त करता है। वार्षिक पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए लागू है और राजमार्गयात्रा ऐप या एनएचएआई वेबसाइट के

माध्यम से एकमुश्त शुल्क भुगतान के दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है। बयान में कहा गया है कि लगभग 98 प्रतिशत की पहुंच दर और आठ करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ, फास्टैग ने देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली में क्रांति ला दी है। बयान में कहा गया है कि वार्षिक पास सुविधा की शुरुआत से न केवल फास्टैग उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार होगा, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर यात्रा अधिक किफायती और निर्बाध हो जाएगी।

मेघालय वर्ष 2032 तक 16 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के रास्ते पर: मुख्यमंत्री संगमा

एजेंसी

शिलांग। मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने कहा कि मेघालय वर्ष 2032 तक 16 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के रास्ते पर है। यहां स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष 2047 तक मेघालय का लक्ष्य 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और प्रति व्यक्ति आय और सतत विकास लक्ष्यों में देश के शीर्ष 10 राज्यों में शामिल होना है। मुख्यमंत्री ने असम-मेघालय सीमा समझौते में प्रगति, ई-साक्ष्य, ई-एफआईआर को अपनाने और फोरेंसिक क्षमताओं के विस्तार सहित कानून और व्यवस्था में प्रगति का भी उल्लेख किया।उन्होंने कहा, ''वर्ष 2047 तक, जब हम राज्य के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाएंगे, हम एक 'विकसित मेघालय' की आकांक्षा रखते हैं, जो प्रति व्यक्ति आय और सतत विकास लक्ष्यों के मामले में भारत के शीर्ष 10 राज्यों में 100 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हो।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि शिलांग हवाई अड्डे का विस्तार, तुरा में बाल्जेक हवाई अड्डे का संचालन और एक नई क्षेत्रीय परिवहन कार्यक्रम की भी योजना है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने स्थानीय निवेशकों, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार स्थानीय निवेशकों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करेगी और उनका लाभ सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी।

रेड्डी ने रियल एस्टेट डेवलपरों की संस्था क्रेडाई की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में पारदर्शी नीतियों के क्रियान्वयन, निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों को समर्थन देने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रेड्डी ने अंतरराष्ट्रीय निवेश

आकर्षित करने के राज्य के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'हम निवेश और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए अमेरिका, सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, दुबई और दावोस जैसे देशों का दौरा कर रहे हैं। अगर हम विदेश से निवेश आमंत्रित कर रहे हैं, तो हम अपने देश, राज्य और शहर के विकास के लिए काम करने वालों को प्राथमिकता क्यों नहीं देंगे आप सबसे पहले हैं।' इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि रियल एस्टेट व्यवसायियों को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के प्रभाव में नहीं आना चाहिए। रेड्डी ने कहा, 'मैंने ऐसी गलत धारणाओं को दूर करने के लिए ही इस कार्यक्रम में भाग लेने का निर्णय लिया।'

जम्मू-कश्मीर में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा आईसीएआई

नई दिल्ली। चार्टर्ड अकाउंटेंट की शीर्ष संस्था आईसीएआई जम्मू कश्मीर में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की पहलगाम में आयोजित तीन-दिवसीय परिषद बैठक के दौरान यह प्रस्ताव सामने आया। आईसीएआई की 445वीं परिषद बैठक 12 से 14 अगस्त तक आयोजित की गई थी। आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना के बाद इस जगह पर परिषद के सदस्यों की उपस्थिति दृढ़ता, एकता और आशा का संदेश है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए एक आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

बिग बॉस फेम

कशिश कपूर

ने 85,000 रुपये का गाउन किया बर्बाद, डिजाइनर ने किया दावा

बिग बॉस फेम कशिश कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए-नए वीडियो शेयर करती हैं. लेकिन इसी बीच कशिश विवादों में घिरी नजर आ रही हैं. दरअसल डिज़ाइनर स्मिता श्रीनिवास ने आरोप लगाया है कि कशिश कपूर और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग फर्म डॉट मीडिया एजेंसी ने 85,000 रुपये का उनका कॉउचर गाउन बर्बाद कर दिया है और फिर तय मुआवज़ा भी नहीं दिया है.एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, श्रीनिवास ने कहा कि कस्टम ग्रीन कॉउचर गाउन गीला, धूल भरा, उखड़ा हुआ और अंदर-बाहर से भरा हुआ वापस आया, जिससे वह बेचने लायक नहीं रहा. स्मिता ने बताया कि डॉट मीडिया एजेंसी ने कशिश के लिए साइज़ स का गाउन लिया, जबकि कथित तौर पर उस प्रभावशाली व्यक्ति को साइज़ XS की ज़रूरत थी.

कशिश कपूर ने खराब किया डिजाइनर का कीमती गाउन

उन्होंने आगे कहा कि यह पोशाक एक कस्टम कॉउचर पीस थी, न कि कोई सेंपल. खराब हालत में लौटाए जाने के बाद, डिज़ाइनर ने बताया कि दोनों पक्ष 40,000 रुपये के मुआवज़े पर सहमत हुए, जो गाउन की कीमत के आधे से भी कम है, ताकि मामला खत्म हो सके. पोस्ट के अनुसार, देरी और बहानेबाज़ी में हफ़्ते बीत गए. श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि फॉलो-अप के दौरान कशिश कपूर ने उन्हें सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया था.

डिज़ाइनर का दावा है कि जब उन्होंने दोबारा संपर्क किया, तो एजेंसी ने भुगतान के बजाय सोशल मीडिया शाउटआउट की पेशकश की. उन्होंने इस प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि यह एक व्यापक समस्या का हिस्सा है जहां छोटे लेबल्स को उचित मुआवज़े के बजाय प्रचार का वादा किया जाता है. पोस्ट में लिखा था, यह हमारी सच्चाई है.

डिजाइनर ने शेयर की स्क्रीनशॉट्स

श्रीनिवास ने अपनी टाइमलाइन की पुष्टि के लिए चैट के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए. उन्होंने बताया कि मैसेजों में 40,000 रुपये के समझौते, बाद में भुगतान में देरी और पैसे की जगह प्रमोशन का ऑफर शामिल है. उन्होंने बताया कि सामान गीला और उखड़ा हुआ लौटाया गया था, और उसका कपड़ा और फिनिशिंग दोबारा इस्तेमाल या दोबारा बेचने लायक नहीं थे.

32 साल पहले संजय दत्त-माधुरी दीक्षित की इस फिल्म ने मचाया था गदर, बजट से 4 गुना ज्यादा छापे थे नोट

हिंदी सिनेमा में कभी संजय दत्त और माधुरी दीक्षित की जोड़ी की काफी चर्चा होती थी. दोनों दिग्गजों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और इस दौरान दोनों एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे. संजू और माधुरी कभी रिश्ते में थे, हालांकि संजय दत्त का नाम 1993 के मुंबई बम ब्लास्ट केस में आने के बाद माधुरी ने उनसे दूरी बना ली थी. वैसे इस जोड़ी ने स्क्रीन पर दर्शकों का काफी मनोरंजन किया था. उनकी एक फिल्म तो ऐसी थी जो उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली पिक्चर बनी थी.संजय दत्त और माधुरी दीक्षित दोनों ने ही अपना करियर 80 के दशक में शुरू किया था. संजू ने जहां अपनी शुरुआत 1981 की फिल्म 'रॉकी' से की थी तो वहीं माधुरी का बॉलीवुड डेब्यू 1984 की फिल्म 'अबोध' से हुआ था. दोनों 1991 की फिल्म 'साजन' में साथ दिखाई दिए थे. इसके बाद उन्होंने 1993 की फिल्म 'खलनायक' से बॉक्स ऑफिस पर राज किया था.

'खलनायक' में जमी थी माधुरी-संजय की जोड़ी

संजय दत्त और माधुरी दीक्षित की जोड़ी को दर्शकों ने साल 1993 की फिल्म 'खलनायक' में काफी पसंद किया था. इसमें दोनों की केमिस्ट्री ने फैंस के दिल जीत लिए थे. नतीजा ये निकला कि पिक्चर बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी. खलनायक का डायरेक्शन दिग्गज डायरेक्टर सुभाष घई ने किया था. फिल्म 32 साल पहले 6 अगस्त 1993 को रिलीज हुई थी.

बनी साल की दूसरी सबसे कमाऊ फिल्म

खलनायक में संजू ने बलराम प्रसाद नाम का किरदार निभाया था. जबकि माधुरी के किरदार का नाम गंगोत्री देवी था. फिल्म का हिस्सा जैकी श्रॉफ, राखी गुलजार और अनुपम खेर भी थे. 5 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने दुनियाभर में 21 करोड़ रुपये की कमाई की थी. ये 1993 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी थी. इस मामले में गोविंदा और चंकी पांडे की पिक्चर 'आंखें' पहले नंबर पर मौजूद रही.

इन फिल्मों में साथ दिखे संजय-माधुरी

साजन और खलनायक के अलावा संजय दत्त और माधुरी दीक्षित ने साथ में 'थानेदार', 'इलाका', 'साहिबान' और 'महानता' जैसी फिल्में भी की. आखिरी बार ये जोड़ी साल 2019 की फ्लॉप फिल्म 'कलंक' में दिखाई दी थी.

26 साल पहले जब सलमान-ऐश्वर्या के बीच बुरे फंसे अजय देवगन! फिर यूं निकाला परेशानी का हल

अजय देवगन की ये फिल्म 26 साल पहले आई थी, जिसमें सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन ने भी लीड रोल प्ले किया था. इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई थी और नतीजा ये निकला कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करके शानदार कमाई की थी.

बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर्स में शुमार अजय देवगन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है. अजय देवगन ने कई मशहूर कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर की है. वो बॉलीवुड के दो बड़े कलाकार ऐश्वर्या राय और सलमान खान के साथ भी नजर आ चुके हैं. एक पिक्चर में तीनों साथ देखने को मिले थे तब अजय, सलमान खान और ऐश्वर्या राय के बीच बुरे फंस गए थे. हालांकि फिल्म हिट हुई और इसने शानदार कमाई की थी.

साल 1991 में आई फिल्म 'फूल और कांटे' से बॉलीवुड में कदम रखने वाले अजय देवगन ने अपने 33 साल के करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है. जिस फिल्म को लेकर हम आपसे बात कर रहे हैं वो करीब 26 साल पहले रिलीज हुई थी. चलिए जानते हैं कि वो फिल्म कौन सी है जिसमें अजय, सलमान और ऐश्वर्या के चक्कर में काफी परेशान नजर आए थे.

1999 में आई थी फिल्म

ये फिल्म थी 'हम दिल दे चुके सनम. इसमें इन तीनों ही कलाकारों ने लीड रोल प्ले किया था. अजय देवगन ने इसमें वनराज नाम का किरदार निभाया था. ऐश्वर्या के किरदार का नाम नंदिनी था जबकि सलमान समीर नाम के किरदार में थे. इस हिट फिल्म का हिस्सा जोहरा सहगल, विक्रम गोखले, स्मिता जयकार, विनय पाठक और राजीव वर्मा भी थे.

26 साल पुरानी फिल्म हम दिल दे चुके सनम का डायरेक्शन हिंदी सिनेमा के दिग्गज डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. इसमें दिखाया जाता है कि ऐश्वर्या के किरदार को सलमान के किरदार से प्यार होता है, हालांकि उसकी शादी अजय के किरदार से करा दी जाती है. जब ये बात अजय के किरदार को पता चलती है तो वो ऐश्वर्या के साथ सलमान की तलाश में निकल पड़ते हैं. इस जद्दोजहद को बड़े पर्दे पर दर्शकों ने काफी पसंद किया था. हालांकि कहानी में ऐश्वर्या सलमान को छोड़ अजय को चुनती है और दर्शक भी खुशी से झूम उठते हैं.

हिट साबित हुई थी 'हम दिल दे चुके सनम'

फिल्म को संजय लीला भंसाली ने 16 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया था. इसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 24 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था. वहीं दुनियाभर में पिक्चर ने 51 करोड़ रुपये से ज्यादा बटोर लिए थे.

'बुढ़िया' कहे जाने पर

मलाइका अरोड़ा

का छलका दर्द, बोलीं- कभी-कभी ट्रिगर करता है

मलाइका अरोड़ा 51 साल की उम्र में भी अपनी फिटनेस और ग्लैमरस अंदाज को लेकर हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं. एक्ट्रेस की निजी जिंदगी भी चर्चा में छाई रहती है. हालांकि अक्सर मलाइका को सोशल मीडिया यूजर्स की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है. लोग उन्हें ट्रोल करते हुए 'बुढ़िया' तक कह देते हैं. हाल ही में एक बातचीत में, अभिनेत्री ने बताया कि कैसे कभी-कभी यह उन्हें परेशान करता है और बताया कि लोग उनकी मुस्कान के पीछे छिपे स्ट्रगल को नहीं देख पाते.

पिंकविला के साथ बातचीत में मलाइका अरोड़ा ने नेगेटिव लोगों के जरिए बुद्धिया लेबल दिए जाने के इमोशनल ट्रोल के बारे में खुलकर बात की और कहा, मेरे लिए, 'बुद्धिया' ज मेरा मतलब है, आप किसी को ऐसा कुछ कैसे कह सकते हैं ? कभी-कभी ये ट्रिगर करता है, क्योंकि बहुत ही असंवेदनशील है.

लोग सिर्फ मुझे खुश देखते हैं—मलाइका

उन्होंने आगे बताया, वे सिर्फ़ उस व्यक्तित्व को देखते हैं, वे देखेंगे कि 'खुश लग रही है', लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं है कि ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जो आपको परेशान कर सकती हैं. उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आपको इन बातों को ऐसे उदाहरणों के रूप में लेना चाहिए जहां आप पलटकर कहना चाहें कि 'लोग वही कहें जो आप कहना चाहते हैं, मैं उनसे बेहतर हूं. मैं आपको साबित कर दूंगी कि मैं बेहतर हो सकती हूं.

मलाइका ने सिंगल मदर द्वारा बड़े होने पर कहा, मेरी मां के कामकाजी होने की वजह से मैं और भी ज़्यादा ज़िम्मेदार बन गई. बहुत कम उम्र में ही मुझे लगा कि मैं ऐसी स्थिति में हूं जहाँ मुझे ज़िम्मेदार होना चाहिए. मैं अपनी बहन (अमृता अरोड़ा) की देखभाल करने वाली व्यक्ति बन गई, और मैं समय से पहले ही ज़िम्मेदार बन गई.

कम उम्र में जिम्मेदार बनी मलाइका

मलाइका अरोड़ा सिर्फ़ 11 साल की थीं जब उनके माता-पिता, जॉयस पॉलीकार्प और अनिल मेहता अलग हो गए. तलाक के बाद, मलाइका और उनकी छोटी बहन, अभिनेत्री अमृता अरोड़ा, जो उस समय सिर्फ़ छह साल की थीं, अपनी मां की देखभाल में रह गईं.

राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग सप्ताह का हुआ सफल आयोजन

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

राजकीय महाविद्यालय नगरोटा सूरियां में राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग सप्ताह (12 से 18 अगस्त 2025) का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक की भूमिका इतिहास विभाग के प्रो. युवराज ने निभाई तथा इस साप्ताहिक कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों में रैगिंग जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध जागरूकता फैलाने और महाविद्यालय परिसर में सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी वातावरण बनाने का संदेश दिया गया। सप्ताह भर आयोजित कार्यक्रमों में नारा लेखन, निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रील मेकिंग, यूट्यूब वीडियो एवं इंस्टाग्राम थ्रेड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

लगभग 100 विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 18 अगस्त को समापन दिवस पर विद्यार्थियों को एंटी-रैगिंग पर आधारित लघु फि ल्म दिखाई गई, जिसमें रैगिंग के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इसके पश्चात सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. उपेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि रैगिंग केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक एवं कानूनी अपराध है।

अज्ञात वाहन ने मोटर साईकिल सवार को मारी टक्कर, एक की मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर मे बल्दीराय थाना क्षेत्र के भवानीगढ़ गांव के पास बीती रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक सवार दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान एक आदमी की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पीआरबी घायलों को लेकर इलाज हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुची। चिकित्सक ने घायल हरिश्चंद्र(45)पुत्र महराजदीन को मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल राम चरन पुत्र महराजदीन को किया जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बल्दीराय कोतवाल नारद मुनि सिंह ने सोमवार को बताया कि प्रार्थना पत्र मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा ।

न्यूज फ्लैश

हनुमान मंदिर में रॉक ऑन ग्रुप का विशाल भंडारा, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में रॉक ऑन ग्रुप द्वारा भव्य और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व अन्नू मल्होत्रा ने किया, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद का आनंद लिया।रॉक ऑन ग्रुप सिर्फ एक संगठन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक ब्रांड है, जो हर महीने जरूरतमंदों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन करता है ताकि कोई भी भूखा न रहे। खाने के साथ-साथ यह ग्रुप कई अन्य सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाता है।भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और मंदिर परिसर जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। लोगों ने भक्ति भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया और इस पुण्य कार्य का हिस्सा बने।

ब्रिजटेक्नोसॉफ्ट के संस्थापक निदेशक अभिनव कुमार एवं सह-निदेशक रितु कलसानिया अपनी टीम सहित पंख एनजीओ के परिसर में पधारे

दिव्य दिल्ली : ब्रिजटेक्नोसॉफ्ट के संस्थापक निदेशक श्री अभिनव कुमार एवं सह-निदेशक श्रीमती रितु कलसानिया अपनी टीम सहित पंख एनजीओ के परिसर में पधारे। यह विशेष अवसर उनकी कंपनी की स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।अपने इस सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत उन्होंने बच्चों के साथ सार्थक समय व्यतीत किया तथा उन्हें परिधान एवं नाश्ते के पैकेट उपहार स्वरूप भेंट किए। साथ ही बच्चों को अच्छे नागरिक बनने एवं देशभक्ति की भावना को आत्मसात करने के लिए प्रेरक संदेश भी दिए।इस अवसर की गरिमा को और बढ़ाते हुए बच्चों ने विभिन्न देशभक्ति एवं सांस्कृतिक गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही अपनी कविताएँ, कहानियाँ एवं अनुभव साझा कर वातावरण को उल्लास और ऊर्जा से भर दिया।पंख एनजीओ परिवार ने ब्रिजटेक्नोसॉफ्ट के इस सराहनीय कदम का हार्दिक स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

संजीव कुमार बने टी जी टी संघ के अध्यक्ष

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर राजकीय कला प्रशिक्षित स्नातक संघ का त्रिवार्षिक चुनाव पर्यवेक्षक कुलवीर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस अवसर पर सर्वसम्मति से नई कार्यकारणी का गठन किया गया।संजीव कुमार को अध्यक्ष, राकेश कौंडल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष,संजय धीमान को उपाध्यक्ष,राजेश कुमार को महासचिव , ओम स्वरूप को कोषाध्यक्ष, जोगिंदर सिंह को मुख्य सलाहकार,भूपिंदर सिंह को प्रेस सचिव बनाया गया।वहीं महिला विंग में श्री मति मीना देवी को अध्यक्ष व श्री मति ओम प्रभा को महासचिव बनाया गया। इस अवसर पर पूर्व टी जी टी आर्ट्स संघ प्रधान नरेश कुमार उपस्थित रहे उन्होंने नई कार्यकारिणी के गठन में अपना पूर्ण सहयोग दिया।नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पूरी निष्ठा के साथ टी जी टी संघ के लिए कार्य करने का वचन दिया।

शहीद के नाम से बने स्मारक पर कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिल्ली : करूनीत रंधावा (पठानकोट)

जम्मू-कश्मीर के नौशहरा सेक्टर में पाक प्रशिक्षित आतंकियों से लड़ते हुए शहादत का जाम पीने वाले सेना की 6 डोगरा यूनिट के कमांडिंग अफसर कर्नल कंवर जयदीप सिंह सलारिया शौर्य चक्र बार, सेना मेडल का 23वां बलिदान दिवस शहीद की पत्नी डा. अनुराधा राजपूत व जीजा वीर चक्र विजेता कर्नल तीर्थ सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में गांव पंगोली के डिफेंस रोड़ पर शहीद के नाम से बने स्मारक पर आयोजित किया गया जिसमें मेजर जनरल एसके खजूरिया बतौर मुख्य मेहमान शामिल हुए। इनके अलावा शहीद की यूनिट के कमांडिंग अफसर कर्नल आर.एस रावत, शहीद सैनिक परिवार सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष कर्नल सागर सिंह सलारिया, महासचिव कुंवर रविंद्र सिंह विक्की, प्रैस सचिव बिट्टा काटल कर्नल सुधीर चौहान सेना मेडल, कर्नल प्रहलाद सिंह, कर्नल नसीब सिंह चौहान, कर्नल आर.के चौहान, कर्नल विशाल सिंह, फर्स्ट गार्ड्स के लेफ्टीनेंट मुनीश शर्मा, 6 डोगरा यूनिट के सुबेदार मेजर रमेश कुमार, शहीद कैप्टन अरुण जसरोटिया अशोक चक्र, निशान-ए-खालसा, सेना मेडल के भाई रिटायर्ड एक्सियन राकेश जसरोटिया, शहीद मेजर विवेक भंदराल सेना मेडल के पिता कर्नल पी.एस भंदराल, शहीद नायक अजय सलारिया के पिता कैप्टन रछपाल सिंह, शहीद लांसनायक डिप्टी सिंह सेना मेडल के भतीजे वरिंदर सिंह, शहीद सिपाही मक्खन सिंह के पिता हंस राज, शहीद सिपाही मंजीत सिंह के पिता ठाकुर शाम सिंह, रिटायर्ड डिप्टी डी.ई.ओ राजेश्वर सलारिया, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यकारिणी सदस्य ठाकुर शमशेर सिंह बिट्टू, समाज सेवक डा. राजिंदर शर्मा के अलावा 6 डोगरा व 5 डोगरा यूनिट के सर्विंग ऑफिसर्स, जवान व वेटरन्स आदि ने विशेष मेहमान के तौर पर शामिल होकर शहीद कर्नल कंवर जयदीप सलारिया को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सर्वप्रथम मुख्यातिथि व अन्य मेहमानों ने शहीदी स्मारक पर रीथ चढ़ाते हुए शहीद को सैल्यूट कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, वहीं फर्स्ट गार्ड्स के जवानों ने शस्त्र उल्टे कर बिगुल की गौरवशाली धुन के साथ शहीद कर्नल के.जे सिंह को सलामी दी। श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य मेजर जनरल एस.के खजूरिया ने कहा कि बलिदानी कर्नल कंवर जयदीप सिंह सलारिया जैसे जांबाजों का अमूल्य शहादत सेना के जवानों व देश की भावी पीढ़ी में राष्ट्र पर मर मिटने का जज्बा भरती रहेगी। उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे कर्नल के.जे सिंह से 1996 को आसाम में मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ सेना में अपने वर्षों के कार्यकाल के दौरान मैंने ऐसा बहादुर व अपनी ड्यूटी के प्रति कमिटेड अफसर नहीं देखा उस वीर योद्धा ने बहादुरी भरे जो कारनामे किए वो नॉर्मल सोल्जर नहीं कर सकता।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने कृष्णा नगर कॉलोनी का दौरा किया

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट

वार्ड संख्या 43 और 44 कृष्णा नगर कॉलोनी सरना, जो निगम के अंतर्गत आती है और आदर्श कॉलोनी का हिस्सा है, यहाँ के लोगों की गलियों की समस्या थी जिसका आज समाधान हो गया। यह बात पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने आज कृष्णा नगर कॉलोनी का दौरा करने के बाद कही। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा सर्व श्री ब्लॉक अध्यक्ष पवन कुमार फौजी, ब्लॉक अध्यक्ष सोहन लाल, ब्लॉक अध्यक्ष बरजिंदर कौर, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप कुमार, सुरिंदर कुमार, राहुल खल्लर और आम आदमी पार्टी के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।इस अवसर पर जानकारी देते हुए पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि इस कॉलोनी के लोग लंबे समय से मांग कर रहे थे कि कृष्णा नगर कॉलोनी, जो कि नई कॉलोनी बनी है, का निर्माण किया जाए और यहां के लोगों की मुख्य समस्या गलियों और सीवरेज की कमी है। उन्होंने कहा कि आज कृष्णा नगर कॉलोनी की विभिन्न गलियों का निरीक्षण किया गया है और लोगों की मांग बिल्कुल जायज है। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक ने नगर निगम के अधिकारियों को आदेश दिए कि वे आज ही कृष्णा नगर कॉलोनी का दौरा करें और एक रिपोर्ट तैयार करके यहां के क्षेत्र में गलियों और सीवरेज का काम करवाएं।

कृषि सेवा समिति खाद देने में नाकाम '

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश के कस्बा जसूर से सटी एक कृषि सेवा समिति छतरौली जहां कुछ साल पहले सभी प्रकार की खाद उपलब्ध रहती थी' लेकिन गत चार साल से यह समिति इस इलाके के किसानों को खाद देने में नाकाम रही है ' इसका कारण यह बताया जा रहा है कि समिति के द्वारा करीब 4 साल पहले बनाई गई इमारत के अंडर ग्राउंड गोदाम में अकसर पानी भरा रहता है' यह स्थान खाद की बोरियों को रखने के लिए बनाया गया था ' लेकिन इमारत के निर्माण में कथित खामियों के चलते समिति का तहखाना प्रयोग में नहीं आ पा रहा है ' इलाके के किसानों में यह चर्चा का विषय है कि इस इमारत के निर्माण को बनाने में लगी सामग्री की गुणवत्ता में कमी ही जलभराव का मुख्य कारण है ' अतः इसके निर्माण में लगी सामग्री की जांच होनी चाहिए' यहां खाद न मिलने के कारण क्षेत्र के किसानों को दूर-दराज की कृषि समितियां से जा कर खाद लाना पड़ती है' इस कारण भारी परेशानी उठाना पड़ रही है ' क्या हिमाचल सरकार का व्यवस्था परिवर्तन प्रशासन इस पर जनहित मे कोई गौर करेंगे?

अगस्त क्रांति : अंग्रेज कलेक्टर भाग खड़ा हुआ और बलिया हो गया आजाद

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में हुई अगस्त क्रान्ति 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन के अत्यन्त प्रेरणास्पद अध्यायों में से एक है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने बम्बई अधिवेशन (अगस्त, 1942) में प्रसिद्ध अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन का प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन, इससे पहले कि कांग्रेस इस आन्दोलन को शुरू कर पाती।

प्रयागराज: मुठभेड़ में दो बदमाश गोली लगने से घायल, गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित जार्जटाउन क्षेत्र में हासिमपुर पुल के समीप वाहन चेकिंग के दौरान सोमवार भोर में मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश पुलिस से हुई मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए। दोनो बदमाशों को उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

अपर पुलिस उपायुक्त नगर अभिजीत कुमार ने बताया कि गोली लगने घायल झूंसी थाना क्षेत्र के निवासी आजम खान और मंसूर अहमद हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडीसीपी नगर ने बताया कि सोमवार भोर में शहर क्षेत्र के सभी थाना क्षेत्रों में संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। वाहन चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति हासिमपुर पुल के समीप पुलिस टीम को देखते ही भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया तो वे पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगे। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षार्थ फायरिंग की। इस दौरान दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल हो गए। पुलिस टीम ने तत्काल उपचार के लिए दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। पूछताछ के दौरान जानकारी मिली कि दोनों झूंसी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

अपात्र लोगों को लाभ दिए जाने में संलिप्त अधिकारियों व ऐसे अपात्र लोगों की जांच की जा रही

दिव्य दिल्ली : सुमित राठौर (हमीरपुर)

हिमाचल प्रदेश कामगार एवं कल्याण बोर्ड के चेयरमैन नरदेव सिंह कंवर ने पत्रकार वार्ता में कहा है कि कामगार कल्याण बोर्ड में अपात्र लोगों को लाभ दिए जाने में संलिप्त अधिकारियों व ऐसे अपात्र लोगों की जांच की जा रही है । उन्होने कहा कि भाजपा सरकार के डेढ सालों में ही कामगार बोर्ड के माध्यम से करीब 171 करोड 61 लाख 85 हजार रुपए अपात्र लोगों को बांटे गए है। कंवर ने कहा कि भाजपा ने सरकार को रिपीट करने के मकसद से डेढ साल में करोडों रुपए बांटना भाजपा को कटघरे में खडे करता है। क्योंकि इतने छोटे समय में पैसों को कैसा बांटा गया है। उन्होंने कहा कि 2021 व 22 में 70 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन बोर्ड के अंदर की गई है जो कि एक असंभव कार्य है। कंवर ने कहा कि वर्ष 2021 व 22 में बोर्ड में सचिव से लेकर लेबर अधिकारी और अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किए जा रहे है ताकि बोर्ड के माध्यम से कानूनी कार्रवाई बनती है वह सख्त तौर परलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में पात्र लोगों को लाभ मिलेग इसके लिए कामगार बोर्ड काम कर रहा है।नरदेव कंवर ने कहा कि अभी तक प्रदेश भर में 1495 लोग अपात्र पाएए है जिन्होंने योजनाओं का लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि 38 कामगार लोगों को फ्राड पाया गया है और इनमें नौ लोगो ने पैसों को भी लिया जा चुका है जिनके विरूद्ध थानों में एफआईआर दर्ज हुई है और चार लोागों ने चार लोगों ने आरटीजीएस के माण्यम से पैसों को लोटा भी दिया है।

विद्युत बिलों में गड़बड़ियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : ऊर्जा मंत्री

कानपुर। विद्युत बिलों में गड़बड़ियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपभोक्ताओं से आ रही शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए। यदि किसी उपभोक्ता को बिल में त्रुटि की समस्या आती है और समय से उसका समाधान नहीं होता है, तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह बातें रविवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कही।

उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि सभी उपभोक्ताओं को हर हाल में सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जहां-जहां लटके तार या जर्जर लाइनें हैं, उन्हें तुरंत सही किया जाए। बरसात और आपदा के समय उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए सभी सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। सभी ट्रांसफॉर्मरों और विद्युत लाइनों की नियमित जाँच की जाए। लाइन लॉस रोकने और चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। जनता की शिकायतों के समाधान हेतु हेल्पलाइन और कैंपों के माध्यम से त्वरित कार्यवाही की जाए। उपभोक्ता की संतुष्टि को विभाग की प्राथमिकता बनाया जाए।

आगे उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की मंशा जनता को बेहतर सुविधाएं देने की है और इसमें कोई भी बाधा स्वीकार्य नहीं है। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि कि वे टीम भावना के साथ कार्य करें और जनता को ऐसी व्यवस्था दें।

वाराणसी में सर्राफा न्यासियों ने मनाया श्रीनाथजी का नंदोत्सव

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में श्री काशी सराफा अतिथि भवन न्यास में स्थित भगवान श्री श्रीनाथ जी का भव्य मनोरथ श्रृंगार नंदोत्सव का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक प्रभु श्रीनाथ जी का अलौकिक दर्शन एवं महा प्रसाद पाकर लोग भाव विभोर हुए। पूरा न्यास भवन परिसर जय श्री कृष्णा एवं राधे - राधे के उद्घोष से गुंजायमान होता रहा।

इसके पहले प्रारम्भ में न्यास अध्यक्ष संतोष अग्रवाल एवं मंत्री रवि सर्राफ एवं अन्य पदाधिकारियों ने प्रभु श्री नाथ जी की आरती उतारी।

कुत्ते को बचाने के चक्कर मे महिला दरोगा की स्कूटी कार से टकराई, दरोगा की मौत

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के कवि नगर थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात कुत्ते को बचाने के चक्कर में एक 26 वर्षीय महिला दरोगा की स्कूटी की कार से टक्कर हो गई। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई । उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला दरोगा के परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कवि नगर थाने की शास्त्री नगर पुलिस चौकी पर तैनात दरोगा ऋचा सचान रात को करीब 2:00 बजे अपनी स्कूटी से ड्यूटी पूरी करके वापस घर जा रही थी। जब वह कार्टे चौक पर पहुंची तो उनके सामने अचानक एक कुत्ता आ गया । जैसे ही उन्होंने कुत्ते को बचाने की कोशिश की सामने से आई हुई एक कार से उनकी स्कूटी टकरा गई। वह सड़क पर गिर पड़ी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ऋचा सचान को सर्वोदय अस्पताल में ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। ऋचा मूल रूप से कानपुर के रहने वाली थी और 2023 में उन्होंने पुलिस विभाग में नौकरी शुरू की।

लखनऊ में धर्म छुपाकर मुस्लिम युवक ने छात्रा से बनाई नजदीकियां, धर्म बदलकर शादी की दी धमकी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके में होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई कर चुकी एक छात्रा से नाम बदलकर मुस्लिम युवक ने दोस्ती की और फिर धर्मपरि?वर्तन का दबाव बनाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

चिनहट कोतवाल ने बताया कि मूलरूप से प्रयागराज की रहनी वाली छात्रा क्षेत्र में दो साल पूर्व 2023 में किराये का मकान में रहकर बीबीडी यूनिवर्सिटी में होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई करने आई थी। पढ़ाई के दौरान 2024 में छात्रा के पिता की मौत हो गई जिसके आर्थिक समस्या आ गई। इस पर छात्रा ने जीविका के लिए खान पान की दुकान खोल ली। दुकान पर आते जाते उसकी जान-पहचान राज नाम के एक युवक से हुई, जो खुद को बाराबंकी निवासी बताता था और चिनहट चौराहे के पास एक गैराज में मैकेनिक का काम करता था। पीड़ित की ओर दी गई तहरीर में बताया गया कि बीते साल दीपावली 2024 के आसपास दोनों में नजदीकियां बढ़ने पर आरोपित ने छात्रा से शादी का दबाव बनाया।

उम्मीद जगी है, घुघरौना बाबा को जल्द मिलेगा उनका स्थान - पार्षद इंद्रेश

वाराणसी। वाराणसी में पार्षद इंद्रेश के संघर्ष के बाद घुघरौना बाबा को जल्द उनका स्थान मिलने की उम्मीद जगी है। वार्ड 69 आदिविशेश्वर के घुघरानी गली के मकान नम्बर, सीके 40/44 जो निगम के राजस्व के रिकार्ड में बतौर जनता कूप करमुक्त दर्ज है, किन्तु मौके पर कुआँ गायब है। उक्त कुआँ केवल कुआँ नहीं है अपितु यह घुघरौना बाबा का स्थान भी है। जिनके नाम पर वाराणसी की प्रसिद्ध घुघरानी गली का नाम पड़ा है।

पार्षद इंद्रेश जिन्होंने वाराणसी में हिंदुत्व के एजेंडे पर कई बार संघर्ष किया है। घुघरौना बाबा के स्थान के संबंध में उन्होंने हिंदुस्थान समाचार को बताया कि घुघरौना बाबा जो घुघरानी गली के डीह बाबा है, किन्तु पिछली सरकारों में ध्यान न देने के कारण व उनकी तुष्टिकरण की नीति के कारण कुछ लोगो ने इस स्थान पर कब्जा कर लिया। पौराणिक स्थान पर कब्जा ही नहीं हुआ, वहां मकान भी बन गया। नगर निगम की बैठक में महापौर अशोक ने मेरे द्वारा पूछे गए प्रश्न पर आदेश जारी करते हुए एक सप्ताह के अंदर उक्त प्रकरण की जांच कर दूध का दूध व पानी का पानी अर्थात जो सही है, उसको पता लगाने को कहा हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397